डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 29 वां वर्ष

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

सर्वाधिक चर्चित अखबार

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

आज की अभिव्यक्ति

"छोटे कदम ही बड़ी मंजिल की ओर ले जाते हैं।"

सूर्य उदय 6.18 बजे सुबह | सूर्य अस्त 6.14 बजे शाम

वर्ष- 29 अंक- 357 | www rashtriyahindimailÐin | भोपाल, बुधवार 1 अक्टूबर 2025 । आश्विन, शुक्ल पक्ष-नवमी 2082 | पृष्ठ-8 मूल्य, पांच रुपये

4
राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

5
24 ग्राम पंचायत के 32 ग्रामों को बनाया आदि सेवा केन्द्र

6
कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में भारतीय किसान संघ की ...

7
तिलक वर्मा ने घर पहुंच कर कहा-देश के लिए जान भी दे दूंगा...

शारदीय नवरात्री : नवां दिन

नेनो बीफ़्र

बिहार : फाइनल वोटर लिस्ट जारी 14 लाख नए मतदाता शामिल

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मंगलवार को चुनाव आयोग ने राज्य की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। यह सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रकाशित की गई है। फाइनल लिस्ट के साथ ही चुनावी तैयारियां अब तेज हो गई हैं। आयोग के अनुसार, इस बार कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.3 करोड़ हो गई है। इनमें करीब 14 लाख नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। वहीं करीब 65 लाख नाम हटाए गए हैं। इनमें वे मतदाता शामिल हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी थी, जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए थे या जिनके पास दोहरी वोटर आईडी थी।

चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन हादसाः गिरा आर्च, 9 मजदूरों की मौत, कई घायल

चेन्नई। चेन्नई के एनोर स्थित थर्मल पावर स्टेशन में मंगलवार (30 सितंबर) को बड़ा हादसा हुआ। निर्माणाधीन इमारत में काम कर रहे मजदूरों पर करीब 30 फीट ऊंचाई से एक आर्च गिर पड़ा, जिससे मौके पर ही 9 मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में 10 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्टेनली अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि कई मजदूरों की हालत नाजुक है और उनका आईसीयू में इलाज जारी है। चेन्नई पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि इमारत गिरने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

गुना सड़क हादसे में तीन की मौत

गुना। जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र अंतर्गत रुठियाई बायपास तिराहे पर सोमवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। हादसे में एक ही परिवार की तीन जिंदगियां खत्म हो गईं। मृतकों में मां, भाभी और बेटा शामिल हैं। घटना के बाद पूरे चौड़ाखेड़ी गांव में मातम का माहौल है।

भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन, पीएम ने जताया दुख

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष और जनसंघ काल से पार्टी की नींव को मजबूत करने वाले प्रोफेसर विजय कुमार

मल्होत्रा का आज सुबह 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली के एम्स अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। सुबह करीब 6 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरा शोक है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि, प्रोफेसर मल्होत्रा का जीवन सादगी और जनसेवा को समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा- विजय कुमार मल्होत्रा जी एक शानदार नेता थे, जिन्हें जन मुद्दों की गहरी समझ थी।

विधायक से पंगा लेना भारी पड़ा भोपाल लौटे संजीव श्रीवास्तव

24 आईएएस अधिकारियों के तबादले

एक दर्जन कलेक्टर बदले गये, हरेन्द्रनारायण को मिला छिंदवाड़ा

नीरज वशिष्ठ पांढुर्णा कलेक्टर, संस्कृति जैन निगम आयुक्त भोपाल

विशेष रिपोर्ट ✍ विजय कुमार दास मो. 9617565371

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 07 अक्टूबर को भोपाल में होने वाले कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस से पहले अंतत: एक दर्जन जिलों के कलेक्टरों को बदल दिया है। कुल मिलाकर 24 आईएएस अफसरों के देर रात तबादले कर दिये गये हैं। डॉ. मोहन यादव के इस बड़ी प्रशासनिक सर्जरी में जहां एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खासमखास रहे नीरज वशिष्ठ को पांढुर्णा कलेक्टर बनाया है वहीं राजधानी भोपाल में नगर निगम आयुक्त हरेन्द्रनारायण को गुड गवर्नेंस के चलते पहला बड़ा जिला छिंदवाड़ा सौंप दिया है। इसी तरह भिंड के कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, सत्ता रूढ़ दल के विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह के साथ तू-तू मैं-मैं के विवाद के चलते उन्हें भिण्ड से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर नगरीय प्रशासन विभाग में अपर आयुक्त पद पर काम कर रहे किरोड़ी लाल मीना को भिण्ड कलेक्टर बनाया गया है और यह समझा दिया गया है कि किसी भी कलेक्टर को सत्ता रूढ़ दल के विधायक के साथ तू-तू मैं- मैं से बचना चाहिये। आज जारी किये गये एक दर्जन कलेक्टरों के आदेश में विवादित कलेक्टर सिंगरौली चंद्र शेखर शुक्ला को हटाकर उनके स्थान पर अप राईट आईएएस ऑफिसर गौरव बेनल को कलेक्टर बनाकर भेजा गया है।

शीलेंद्र सिंह, छिंदवाड़ा कलेक्टर, अब अपर सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग में तैनात होंगे। नेहा मारव्या, डिंडौरी कलेक्टर, को संचालक, विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू जनजाति विभाग बनाया गया। संजीव श्रीवास्तव, भिंड कलेक्टर, अब अपर सचिव, लोक निर्माण विभाग में कार्यरत होंगे। उषा परमार, अपर आयुक्त (राजस्व), भोपाल संभाग, को पन्ना कलेक्टर बनाया गया। इसके अलावा - रायसेन जिला पंचायत की सीईओ अंजू पवन भदौरिया को डिंडौरी कलेक्टर बनाया गया। 2014 बैच की भदौरिया रायसेन जिले में अपनी प्रभावशाली कार्यप्रणाली और मिलनसार स्वभाव के लिए लोकप्रिय रही हैं। रजनी सिंह (2013 बैच) को नरसिंहपुर कलेक्टर नियुक्त किया गया। जमुना भिडे को निवाड़ी कलेक्टर और शीतला पटले को सिवनी कलेक्टर बनाया गया। किरोड़ी लाल मीना भिंड, हरेन्द्र नारायण छिंदवाड़ा और मिशा सिंह रतलाम कलेक्टर बने।

इस विशेष रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों के तबादलों में इस बात की चिंता की है कि विधायक खुश रहना चाहिये ऐसा लिखा जाये तो चौंकियेंगा मत

लेखक इस पत्र समूह के प्रधान संपादक हैं।

महिला विश्व कप
इंदौर में आज आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की भिड़ंत

इंदौर। आईसीसी द्वारा आयोजित एकदिवसीय डे नाइट महिला विश्व कप के पांच मैच का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच डे नाइट मुकाबला बुधवार को होलकर स्टेडियम में दोपहर से खेला जाएगा। दोनों टीम इंदौर पहुंच चुकी हैं। आज दोपहर से दोनों टीमें अलग-अलग तीन-तीन घंटे नेट प्रैक्टिस होलकर स्टेडियम में करेंगे। मैच की सभी तैयारियां अंतिम दौर में है। एमपीसीए के अध्यक्ष महा आर्यमन सिंधिया भी आज इंदौर पहुंच रहे हैं।

मप्र में पुलिसकर्मी को हेलमेट अनिवाय

भोपाल। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है कि कोई भी पुलिसकर्मी ड्यूटी पर हो या ऑफ ड्यूटी, यदि बिना हेलमेट बाइक या स्कूटर चलाता है, तो उसे भी वैसी ही कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अरविंद शर्मा होंगे विधानसभा के नए प्रमुख सचिव

एपी सिंह मानव अधिकार आयोग में जाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नए प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा होंगे। वर्तमान प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप (एपी) सिंह नौ साल तक जिम्मेदारी निभाने के बाद आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी जगह विधानसभा सचिव अरविंद शर्मा पदभार संभालेंगे। उधर, एपी सिंह को मानव अधिकार आयोग में प्रशासनिक सदस्य नियुक्त करने का निर्णय सोमवार को हुई बैठक में लिया गया था। एपी सिंह वर्ष 2016 से लगातार विधानसभा के प्रमुख सचिव रहे हैं। 2023 में सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें दो बार एक-एक साल की सेवावृद्धि मिली। इस तरह वे विधानसभा में 10 साल तक प्रमुख सचिव रहने वाले एकमात्र अधिकारी बन गए। इधर, विधानसभा सचिवालय में आज एपी सिंह का विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। सोमवार को पूर्व विधायक मंडल की ओर से भी उनका सम्मान किया गया।

भावान्तर योजना के लिए रजिस्ट्रेशन 3 अक्टूबर से, 24 अक्टूबर तक चलेगा किसानों का रजिस्ट्रेशन

किसानों के हित में सीएम मोहन यादव का बड़ा फैसला

राष्ट्रीय हिंदी मेल, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोयाबीन किसानों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने भावान्तर योजना के तहत रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया है। सरकार का कहना है कि इस योजना से सोयाबीन किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम मिलेगा और बाजार की अस्थिरता से उन्हें निजात मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब लगातार गिरते दामों से किसान परेशान थे।

जानकारी के अनुसार भावान्तर योजना के लिए रजिस्ट्रेशन 3 अक्टूबर 2025 से शुरू होगा और 24 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी जाए और किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की जाएं। किसान संगठनों ने इस निर्णय

समाचार-विश्लेषण ✍ पृथ्विजय कुमार दास मो. 9971085589

का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे लाखों किसानों को फायदा होगा।

अब प्रदेश की मंडियों से तय होगा रेट

पहले मॉडल रेट तय करने के लिए तीन राज्यों के दामों की तुलना की जाती थी, जिससे मध्य प्रदेश के किसानों को नुकसान उठाना पड़ता था। लेकिन अब मॉडल रेट केवल प्रदेश की सरकारी मंडियों के आधार पर तय होगा। यह बदलाव किसानों के लिए लाभकारी साबित होगा क्योंकि स्थानीय मंडियों की स्थिति ही मूल्य निर्धारण का आधार बनेगी।

रेट विवाद को कम करने की कोशिश

राज्य मंडी बोर्ड ने बताया कि 1 अप्रैल से सभी मंडियां ई-मंडी सिस्टम से जुड़ चुकी हैं। हर खरीदारी कैमरों की निगरानी में एक निर्धारित कक्ष में होगी। इस व्यवस्था से रेट को लेकर विवाद की गुंजाइश कम होगी और खरीद-फरोख्त पूरी तरह पारदर्शी रहेगी। ऑनलाइन डेटा के जरिए यह भी दर्ज होगा कि किस व्यापारी ने कितना माल खरीदा। वहीं, मंडी के बाहर ई-अनुज्ञा के जरिए हुई बिक्री का रिकॉर्ड भी सिस्टम में दर्ज किया जाएगा।

ऐसे समझें मॉडल रेट का फायदा

उदाहरण के तौर पर यदि 1 से 15 नवंबर के बीच प्रदेश में 10 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन बिके और उसमें से 6 लाख मीट्रिक टन की बिक्री 4500 रुपए प्रति क्विंटल पर हो, तो यही मॉडल रेट माना जाएगा। यदि न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपए है, तो 828 रुपए प्रति क्विंटल का अंतर सीधे किसानों के खाते में डाला जाएगा।

लेखक इस पत्र समूह के प्रबंध संपादक हैं।

बड़े-बड़े लोगों की बातें

कर्मचारियों की मांग थी आज मिले छुट्टी लेकिन मुख्य सचिव ने नहीं माना कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस के लिये तैयारी करिये छुट्टी जरूरी नहीं

मध्यप्रदेश में जितने भी संभागीय मुख्यालय हैं वहां पर शासकीय कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने जिला कलेक्टरों के माध्यम से मुख्य सचिव

तक यह मांग उठाई गई थी कि आज कर्मचारियों को ऐच्छिक अवकाश प्रदान किये जायें। लेकिन मुख्य सचिव ने नहीं माना उन्होंने भोपाल सहित सभी जिला कलेक्टरों को संदेशा भेजा कि 07 अक्टूबर को भोपाल में कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस में तैयारी करके आईये छुट्टी जरूरी नहीं। सूत्रों का कहना है कि हिन्दुत्व के पूजारी जितने भी शासकीय कर्मचारी हैं वे सबके सब मुख्य सचिव अनुराग जैन के इस एटिट्यूड से परेशान हैं उनका कहना था कि हिन्दू धर्मावलंबियों के लिये नवरात्रि पर्व के चलते शासकीय कर्मचारियों को छुट्टी न देकर मुख्य सचिव अनावश्यक रूप से सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। इसी समूह के एक कर्मचारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि - वे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से इस बात की शिकायत करेंगे कि मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव हिन्दू धर्मावलंबियों की उपेक्षा करने लगे हैं। -**खबरची**

अधीनस्थ अधिकारियों को नागरिकों की समस्या गंभीरता से लेने के निर्देश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने दिखाई सहजता और संवेदनशीलता

- **पीड़ित बुजुर्ग महिलाओं को तुरंत मुहैया करवाया श्रवण यंत्र**
- **सेटेलाइट वैली के रहवासियों की समस्या पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए**

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर

मंगलवार को कलेक्टर शिवम वर्मा की सहजता और संवेदनशीलता आज फिर सामने आई। जनसुनवाई के दौरान एक बुजुर्ग महिला अपनी पारिवारिक पीड़ा लेकर पहुंची। बुजुर्ग महिला श्रीमती अंबिका वर्मा ने बताया कि वे अपने पुत्रों और बहुओं से परेशान है। बातचीत में कलेक्टर श्री वर्मा को बुजुर्ग महिला की सुनने की क्षमता कम दिखाई दी। बुजुर्ग महिला से पूछा की उन्हें सुनने में समस्या आती है? महिला ने बताया कि हाँ, मुझे सुनने में भी परेशानी आती है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने तुरंत ही श्रवण यंत्र मंगाकर महिला को उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र पाकर महिला भावुक हो गई और कलेक्टर साहब की इस कार्य के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया।

वहीं एक अन्य मामले में उस समय माहौल गरमा गया जब जब सेटेलाइट वेली (इनक्लेव) के प्लॉटधारकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इन लोगों का कहना था कि कई वर्षों से वे अपने ही प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि अब तक क्षेत्र में मूलभूत विकास कार्य नहीं हुए हैं, जिससे भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) नहीं मिल रही है। वर्षों से परेशान रहवासी अब सुनवाई न होने से आक्रोशित हैं। स्थिति को देखते हुए कलेक्टर शिवम् वर्मा ने प्रदर्शनकारी रहवासियों से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही इस मामले में उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इलाके में जरूरी विकास कार्यों की समीक्षा कर त्वरित निर्णय लिया जाए।

नागरिकों की समस्याओं को अधिकारीगण गंभीरता से लें - इसी तरह एक आवेदक गोविन्द भी अपनी समस्या लेकर कलेक्टर के समक्ष पहुँचा। उसने बताया कि मैं अनाथ हूँ और जीवन यापन का कोई सहारा नहीं है। कलेक्टर श्री वर्मा ने उक्त युवा की समस्या के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में प्रत्येक आवेदक को बैठाकर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना गया और समाधान के ठोस प्रयास किए गए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर गौरव बैनल, नवजीवन पंवार, श्री रोशन राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समाधान सुनिश्चित किया। विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे स्वयं जनसुनवाई में उपस्थित रहें, नागरिकों की समस्याएं सुने और उनका निराकरण करें। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन संपत्ति और पारिवारिक विवाद, प्लॉट आवंटन, कॉलोनी विकास, भरण-पोषण आदि के थे।

खास खबर : ✍ राकेश राठौर, मो. 8989868301

सेंसेक्स	खुला- 80,541.77	पिछला बंद - 80,364.94
निफ्टी	खुला- 24,691.95	पिछला बंद -24,634.90
सोना	1,16,518.00 रुपए	10g of 24k (99.9%)
चांदी	1,51,000 रुपए	1kg
डॉलर	88.79 रुपए	प्रति डॉलर

दिव्यांगजन बने आत्मनिर्भर, आर्सेटी में 35 प्रतिभागियों ने पूरा किया कौशल प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के लिए आवेदन कराया गया, अतिथियों ने की सराहना

सागर। आरसेटी सागर में आज दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत कृषक सहयोग संस्थान द्वारा आयोजित इस दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में 10 गांवों से आए 35 दिव्यांग प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी दिव्यंगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री मुद्रा लोन हेतु आवेदन कराया गया, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर स्वरोजगार शुरू कर सकेंगें। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले इन दिव्यांग प्रतिभागियों को भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, डिप्टी कलेक्टर रजत सोनी, आरसेटी की निदेशक गायत्री, आजीविका मिशन से समीर दीक्षित, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी विशाल जैन, बाल कल्याण समिति से अनिल रैकवार तथा इनेबल इंडिया से स्वागत सिन्हा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए गर्व से सेंटर के समन्वयक चंद्रप्रकाश ने बताया कि कृषक सहयोग संस्थान की पूरी टीम ने आरसेटी में पिछले दो वर्षों में आज तक 163 दिव्यांगों को प्रशिक्षण के दिलवाने में सहयोग किया।

जैसीनगर में 2 अक्टूबर को विशाल रावण दहन और भजन संध्या का आयोजन

जैसीनगर। विजयदशमी के पावन पर्व पर जैसीनगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन 2 अक्टूबर, गुरुवार को शाम 6 बजे ग्राउंड मैदान में किया जाएगा। काली कमेटी जैसीनगर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्केस्ट्रा कलाकारों द्वारा मनमोहक भजन संध्या भी प्रस्तुत की जाएगी। सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से आयोजकों ने सादर पधारने का आग्रह किया है। इस अवसर पर प्रदेश के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में विगत 26 वर्षों से रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों ने विजयदशमी के पावन पर्व पर सभी को शुभकामनाएं दी। यह कार्यक्रम सामाजिक एकता और धार्मिक उत्साह का प्रतीक है, जिसमें सभी समुदायों के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। आयोजकों ने सभी से समय पर उपस्थिति की अपील की है ताकि यह उत्सव भव्यता के साथ संपन्न हो।

नमो वन पौधारोपण कार्यक्रम सेवा पर्व के अंतर्गत हुआ आयोजन

देवरी कला। देवरी विधानसभा के वन विभाग द्वारा नमो वन सेवा पर्व कार्यक्रम के तहत गौरझामर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौरझामर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 75 फलदार पौधे रोपित किये गये।

कार्यक्रम के मुख्य रूप से सरपंच बबीता विश्वकर्मा प्राचार्य अनुराग दीक्षित राजकुमार अहिरवार शिक्षक गौरझामर रेंजर दीपांकर सिंह कु साजिया तरन्नुम ब्रजनरायण तिवारी मुस्तफा खान वंदना पठवार सूरज जाटव आदि उपस्थित रहे।इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी समिति गौरझामर ने आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में गौरझामर,एवं आसपास के गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

दशहरा महोत्सव के अवसर पर गोविंद सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य

सागर। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 51 फुट के रावण के पुतले का दहन 2 अक्टूबर गुरुवार को पीटीसी ग्राउंड पर सायं 7 बजे किया जाएगा। 2 अक्टूबर को दशहरा महोत्सव के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत होंगे और विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, विधायक शैलेंद्र जैन, श्याम तिवारी,महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी, निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अवसर पर पीटीसी ग्राउंड पर शाम 6 बजे से राधे - राधे संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी, उसके बाद भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन किया जाएगा।

दशहरा और आने वाले त्यौहारों में कानून व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम व एसडीओपी ने पुलिस बल के साथ निकाला फ्लेग मार्च

खुरई। दशहरा सहित आने वाले अन्य त्यौहारों पर कानून व्यवस्था भंग न हो और अपराधी या असामाजिक तत्व माहौल खराब न करें या किसी घटना को अंजाम न दें इस उद्देश्य को लेकर खुरई एसडीएम मनोज चौरसिया,एसडीओपी सचिन परते ने शहरी थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह व देहात थाना प्रभारी संतोष सिंह सहित समस्त पुलिस स्टाफ ने नगर में फ्लेग मार्च निकाला।

फ्लेग मार्च नगर में प्रमुख मार्गों से होकर निकाला गया। इसका उद्देश्य यह है कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अपराधियों में खौफ पैदा हो। पिछले कुछ सालों में देखने में आया है कि त्यौहारों पर आदतन अपराधियों या बदमाशों द्वारा किसी न किसी घटना को अंजाम देने या किसी से बदला लेने की नियत से वारदात को अंजाम दिया जाता है।

जिससे न केवल कानून व्यवस्था बिगड़ती है लोगों में बदमाशों का खौफ बड़ जाता है। पुलिस ने लोगों के मन से बदमाशों का खौफ निकालकर पुलिस के प्रति विश्वास जगाने के लिये निकाला फ्लेग मार्च। इसके अलावा एसडीएम मनोज चौरसिया ने नागरिकों से अपील की है कि सभी त्यौहारों को शांतिपूर्ण तरीके से बिना किसी दूसरे को परेशान किये मनायें। आपके आसपास कोई भी घटना होती है तो तुरंत ही पुलिस को सूचना दें।

सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम का आयोजन

देवरी। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में आज दिनांक 30 सितम्बर 2025 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे के मार्गदर्शन में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य केंद्र देवरी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में फैली भ्रांतियां को दूर करना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम प्रभारी शिवलाल अहिरवार ने इस अवसर पर कहा महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक सामाजिक आंदोलन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज में समरसता और समृद्धि आएगी। हर व्यक्ति, संस्था और सरकार को मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए। डॉ. अशोक राठौर ने महिलाओं के पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और नियमित स्वास्थ्य जांच की महत्ता पर प्रकाश डाला और उनके द्वारा छात्राओं की निशुल्क एनीमिया, ब्लड प्रेशर की जांच की गई।इस अवसर पर डॉ. मनीषा पांडे, डॉ शरद तिवारी, सूफिया खान बीपीएम, अनुराग दुबे एल. टी., अजय गुप्ता नेत्र सहायक, रितेश नामदेव एल.टी., जे.एस. पटेल एल.टी. एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शहरी थाना पुलिस ने सड़कों पर निकाला बदमाशों का जुलूस, न्यायालय में किया पेश

खुरई। पिछले कुछ दिनों से नगर में लगातार आपराधिक मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही थी। अपराधी बेखौफ दिन दहाड़े या किसी भी समय लोगों से मारपीट या लूट जैसी,अड़ी बाजी व मारपीट जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। जिससे लोगों में बदमाशों के प्रति खौफ बढ़ता जा रहा था और पुलिस के प्रति विश्वास कम हो रहा था। जिससे पुलिस की साख भी गिर रही थी। पिछले कुछ दिनों से नगर के कई आदतन अपराधियों की शिकायतें आ रहीं थी। जिसके बाद शहरी थाना पुलिस एक्शन मोड में आई और नगर के आधा दर्जन अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाई करते हुये गिरफ्तार किया और नगर में जुलूस निकाला। पुलिस ने आरोपियों का जूलूस खास तौर पर उस सड़क या गली से निकाला जहां पर उसका खौफ ज्यादा था। अपराधियों के जूलूस का वीडियो जमकर वारयल हो रहा है जिससे लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। वीडियों में अपराधी गली और सड़कों पर लोगों के पैर पड़कर माफी भी मांगते दिखे हैं। पुलिस ने सभी आदतन अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाई करते हुये न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

धनोरा के पास दो वाहनों की टक्कर बड़ा हादसा टला

खुरई। मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे धनोरा गांव के पास एक लोडिंग वाहन के चालक ने लापरवाही से तेज चलाते हुये एक कार को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। दरअसल धनोरा निवासी भूपेन्द्र सिंह परिहार किसी काम से खुरई जा रहे थे। तभी एक लोडिंग वाहन बहुत तेजी से खुरई की ओर से आ रहा था। जिसने सामने से भूपेन्द्र सिंह की कार को टक्कर मार दी। जिससे उसकी कार का एक सिरा क्षत्रिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि भूपेन्द्र परिहार ने पहले ही स्थिति को समझ लिया और कार को मोड़ दिया फिर भी टक्कर हो गई मगर सीधी टक्कर नहीं हुई। मालवाहक का नाम उदय भान बताया जा रहा है।

भाजपा के लिए काम कर रहा नगर निगम प्रशासनः आशीष ज्योतिषी

सागर। नगर निगम प्रशासन भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा हैं। अब ताजा मामला 2 अक्टूबर को पीटीसी ग्राउंड पर होने वाले रावण रावण दहन कार्यक्रम के कार्ड का सामने आया है। आयुक्त नगर निगम द्वारा जारी इस समारोह के कार्ड में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम भी है। जबकि यह कार्यक्रम भाजपा का न होकर नगर निगम का परंपरागत आयोजन है। इसमें भी प्रोटोकॉल के विरुद्ध जाकर महापौर और निगमाध्यक्ष के नाम के पहले भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम दिया गया है। यह बात कांग्रेस प्रवक्ता एवं जिला मीडिया प्रभारी आशीष ज्योतिषी नें कहा कि यह सब भाजपा की गुटबाजी के उस गुट का हिस्सा भी हो सकता है। जो महापौर को लगातार अपमानित करने पर तुला हुआ है। इस बार लपेटे में नगर निगम के अध्यक्ष भी आ गए।

सेवा पखवाड़ा अभियान में स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी

सागर। सेवा पखवाड़ा अभियान एवं डे-एनयूएलएम योजना के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों एवं पीएम स्वनिधि योजना से जुड़ी मातृशक्ति ने आज मिनिसिपल स्कूल के बाहर अपने-अपने स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल लगाकर उनकी प्रदर्शनी एवं बिक्री की। इस अवसर पर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने पहुंचकर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को देखा, खरीदा और उनके उत्साहवर्धन के लिए स्थानीय लोगों से इन उत्पादों को खरीदने की अपील की। विधायक जैन ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के संकल्प को साकार किया जा रहा है। हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी सपना है कि हम अपने स्थानीय उत्पादों को आगे बढ़ाएं। हमारी मातृशक्ति और अन्य लोग जो स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रहे हैं, अपने उत्पादों का निर्माण स्वयं कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाया जाए।

चोरी रिपोर्ट लिखाने गये पीड़ित से खिमलासा पुलिस ने की अभद्रता

खुरई। कई थानों में पीड़ितों के साथ सहानुभूति दिखाते हुये पुलिस द्वारा अच्छा वर्ताव करके रिपोर्ट लिखी जाती है चूंकि वह पहले सही परेषान रहता अच्छे व्यवहार से उसे कुछ हद तक शांति मिलती है। लेकिन कुछ थानों में पीड़ितों से भी आरोपियों जैसा और आरोपियों के साथ सहानुभूति दिखाने का प्रचलन है जिनमें से खिमलासा थाना भी एक है। ताजा मामले में नई बस्ती निवासी रामकिशन पिता मेलाराम सेन ने चोरी करते दो चोरों का पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। लेकिन एक घंटे तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। इस संबंध में जब वहां के सउनि सैयद अली से पूछा तो फरियादी से अभद्रता करते हुये कालर पकड़कर धक्का मुक्की की।

संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की

सागर। नगर पालिका परिषद मकरोनिया क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 02 श्री कृष्णा नगर निवासी स्व किशोरी पटेल पुत्र पुनू पटेल की विगत दिन में दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। नरयावली विधायक इंजी प्रदीप लारिया के संज्ञान में विषय आने पर परिवार जनो को संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की गई। आज वार्ड क्रमांक 02 के स्थानीय पार्षद विवेक सक्सेना मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार शर्मा ने मृतक के निवास घर पर पहुंच कर परिवार जनो को सहायता राशि प्रदान की।

बनहट के पास अज्ञात ट्रक के कट मारने से अनियंत्रित होकर पलटा लोडिंग वाहन

खुरई। सागर रोड पर सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात किसी अज्ञात वाहन के कट मारने से अनियंत्रित होकर एक मालवाहक पलट गया जिससे वाहन चालक और उसका सहयोगी घायल हो गये। बताया जा रहा है कि वाहन चालक खुरई निवासी भरत घोसी अपने माल वाहक से किराने के सामान ढोने का काम करता है। रात को अपने एक साथी अंकुश चढ़ार के साथ सागर से खुरई के किराना व्यापारियों का माल लेकर खुरई आ रहा था। देर रात को बनहट गांव के पास किसी ट्रक ने कट मारा जिससे बचने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे दोनों घायल हो गये और उसमें भरे तेल के कुप्पे सहित परचून का सामन बिखर गया।

नवरात्रि साधना का ही सबसे बड़ा पर्व महंत केशव गिरी महाराज

मां भगवती के लिए कि हुई छोटी सी आराधना समय आने पर अनंत गुणा फलप्रदान करती है: महंत केशव गिरी महाराज

सागर। उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया के वार्ड क्रमांक 3 में कबीर वाटिका वाली दुर्गा जी के अद्भुत झांकी में पहुंच रहे हैं हजारों श्रद्धालु, समिति के अध्यक्ष पंडित राजा रिछारिया ने बताया कि पवित्र नवरात्रि में माता की स्थापना को 12वा वर्षहै लगातार श्री राम दरबार मंदिर की महंत केशव गिरी महाराज जी के पावन सानिध्य में यह आयोजन हो रहा है।

आरती के पूर्व पूज्य केशव गिरी महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा कि यह पवित्र नवरात्रि में आदिशक्ति की आराधना करने से हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है नवरात्रि साधना का ही सबसे बड़ा पर्व, इन 9 दिनों में मनुष्य को अपने इष्ट की विशेष आराधना करना चाहिए। आराधक बनकर आराधना करके अपने आराध्य को प्राप्त करने का यह सबसे अच्छा उपाय है।

खुरई पत्रकार संघ के अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषित

हमारा उद्देश्य पत्रकारों के हितों की रक्षा और निर्भीक पत्रकारिता के लिए प्रोत्साहित करना है : अध्यक्ष अमित दुबे

खुरई। शारदेय नवरात्रि के पावन पर्व पर वरिष्ठ मार्गदर्शकों और संरक्षकों की अनुशंसा पर खुरई पत्रकार संघ के अध्यक्ष अमित दुबे ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इस नई टीम में अनुभवी और युवा सदस्यों का संतुलन बनाया गया है, ताकि संघ पत्रकारिता के मूल्यों को कायम रखते हुए नई चुनौतियों का सामना कर सके। कार्यकारिणी में मार्गदर्शक के रूप में प्रेमनारायण तिवारी, उमाशंकर सोनी, हरिओम शर्मा, देशराज यादव, प्रफुल्ल बोहरे, वरिष्ठ सम्मानित सदस्यों में पुरुषोत्तम चौरसिया, गजराज सिंह चैहान, मुकेश नामदेव, शिवशरण पाराशर, नूर मो सौदागर, मुन्ना दांगी, धर्मेंद्र असाटी ,संरक्षक सदस्यो में मुकेश कौशिक, विष्णु पाराशर, प्रवीण नामदेव , उपाध्यक्ष के रूप में प्रशांत श्रीवास्तव, सौरभ परिहार, करतार यादव, लियाकत खान , सचिव लाखन सिंह कुर्मी, सह सचिव राहुल असाटी, कोषाध्यक हिमांशु बजाज, सहकोषाध्यक- ब्रजेश विश्वकर्मा,प्रवक्ता नितिन पटेरिया, विशेष आमंत्रित सदस्यों में कृष्णकांत तिवारी, प्रदीप आठिया, अनुज नामदेव, आयुष भार्गव, संजय गुसाई शामिल हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में रहीस ठाकुर, परेश जैन,सलीम कुरैशी, मयंक जैन, मनीष रजक, मनोज बाधवानी, राजू हुड्डा, नीरज ताम्रकार, कल्लू आठिया को शामिल किया गया है। सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को अध्यक्ष ने बधाई और शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष अमित दुबे ने अपनी नई टीम पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, ष्हमें पत्रकारिता के चौथे स्तंभ को और अधिक सशक्त बनाना है।

मीडिया सम्मेलन एवं पत्रकार कार्यशाला संपन्न

तेरहवां प्रतिभा सम्मान समारोह पत्रिका का विमोचन

सागर। तहसील प्रेस क्लब शाहगढ के तत्वावधान में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाहगढ में भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने में पत्रकारों की भूमिका विषय पर मीडिया सम्मेलन एवं सोशल मीडिया व्हाट्सएप फेसबुक की जानकारी हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ओम के उच्चारण एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलन से हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पं. अशोक तिवारी युवा समाजसेवी चक्रेश मोदी विशिष्ट अतिथि सागर न्यूज़ के पं. सुनील तिवारी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रकाश अदावन ने की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी बिजावर एवं ब्रह्माकुमार छत्रसाल भैया मंचासीन रहें।

उपस्थित पत्रकार बंधुओ को सोशल मीडिया और उसकी उपयोगिता क्यों पर दीपेश जैन सागर द्वारा कार्यशाला के माध्यम से वेबसाइट फेसबुक पेज यूट्यूब चैनल आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी को इसके विषय में समझाया उपस्थित पत्रकारों ने उनसे प्रश्न कर समस्याओं का निराकरण भी किया।

नवरात्रि माँ अम्बे की भक्ति का पावन पर्व : राज्यपाल

गुजराती समाज के अष्टमी पूजन और गरबा महोत्सव में हुए शामिल

ऑपरेशन सिंदूर पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नवरात्रि माँ अम्बे की भक्ति का पावन पर्व है, जो भक्ति में सराबोर होने का त्यौहार भी है। उन्होंने कहा कि गुजराती समाज अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और एकता के लिए देश-दुनिया में पहचाना जाता है। जहाँ गुजराती समाज होता है वहाँ गुजरात ही बस जाता है। राज्यपाल पटेल मंगलवार को गुजराती समाज भोपाल द्वारा आयोजित अष्टमी पूजन और गरबा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 'ऑपरेशन सिंदूर और स्वदेशी अभियान' की थीम पर आयोजित किया गया था। स्वदेशी अभियान को सफल बनाने का किया आहवान राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर ने देश को गौरवान्वित किया है। सेनाओं का अद्भूत शौर्य और पराक्रम प्रत्येक भारतीय का अभिमान है। उन्होंने गुजराती समाज भोपाल द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन कर भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल पटेल ने सभी से आहवान किया कि प्रधानमंत्री के स्वदेशी अभियान का बढ़ चढ़कर हिस्सा बनें। उनके मंत्र 'वोकल फॉर लोकल' से अभियान को सफल बनाने में सहभागिता करें। राज्यपाल पटेल का गुजराती समाज भोपाल के उपाध्यक्ष चेतन भाई पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल पटेल ने माँ अम्बे की आरती की। कार्यक्रम में गुजराती समाज के सदस्यों द्वारा माँ आदि शक्ति की भक्तिमय धुनों पर गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर गुजराती समाज के सदस्य और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

डॉ. यादव आज करेंगे वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 1 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू की विहार वीथिका में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर वे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पर्यटक वाहनों का लोकार्पण करेंगे तथा भारत के वन्यजीव, उनका रहवास एवं आपसी संचार विषय पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप सिंह अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही.एन. अंबाडे भी मौजूद रहेंगे। वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत 2 से 7 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इसमें पक्षी अवलोकन, वाद-विवाद, कहानी एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिताएँ, रन फॉर वाइल्ड लाइफ, युवा संसद, वाइल्ड लाइफ एवं नेचर एक्सपो सहित बच्चों और युवाओं के लिए कई रचनात्मक कार्यक्रम शामिल होंगे। समापन समारोह 7 अक्टूबर को टोडलर वॉक, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण के साथ होगा।

मुख्यमंत्री ने माता मंदिर में पूजन कर खरीदे सिंघाड़े

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार रात उज्जैन के बुधवारिया चौराहे पर माता के पंडाल पहुंचकर माता का पूजन किया और नगरकोट माता मंदिर में माता की आरती कर पूजन किया। आरती पूजन की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश-प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने नगर कोट माता मंदिर में पूजन करने के बाद मंदिर के बाहर दुकान से सिंघाड़े खरीदे और महिला दुकानदार से चर्चा कर उनके परिवार और स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांडियाखेड़ी में अलख उज्जैनी संस्था के गरबा उत्सव में भी शामिल हुये।

आरटीओ में फेसलेस सेवाओं का विस्तार अब 51 सुविधाएँ होंगी ऑनलाइन

भोपाल। परिवहन विभाग ने आमजन की सुविधा के लिए फेसलेस सेवाओं का दायरा बढ़ा दिया है। अब प्रदेश में कुल 51 सेवाएँ पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। सोमवार को भोपाल स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने इसका लोकार्पण किया। वर्ष 2023 में 20 सेवाओं को फेसलेस बनाया गया था, जो अब बढ़कर 51 हो गई हैं। इनमें लर्निंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण, डुप्लीकेट लाइसेंस और वाहन स्वामित्व अंतरण जैसी अहम सेवाएँ शामिल हैं। अब आवेदकों को आरटीओ कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आवेदन और स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया NIC के 'वाहन' और 'सारथी' पोर्टल से होगी। अस्थाई परमिट ऑटो-अप्रूवल सिस्टम से जारी होंगे, वाहन कर और बाहरी राज्यों के वाहनों का टैक्स ऑनलाइन जमा होगा। प्रदूषण जांच के लिए PUCC 2.0 लागू किया गया है और जल्द ही e-detection प्रणाली से यातायात उल्लंघन पर स्वतः चालान भी शुरू होगा। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हेलमेट से 85 से 90 फीसदी सड़क हादसों में मौतें रोकी जा सकती हैं, लेकिन अफसोस है कि शिक्षित और जिम्मेदार लोग भी नियमों की अनदेखी करते हैं। यह बदलना होगा। उन्होंने कहा कि सीमित कर्मचारियों के बावजूद विभाग ने तकनीक और टीमवर्क से बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

विश्वास सारंग ने किया अशोका गार्डन दशहरा मैदान का निरीक्षण

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को आगामी 2 अक्टूबर को मनाए जाने वाले दशहरा उत्सव की तैयारियों को लेकर अशोका गार्डन दशहरा मैदान का निरीक्षण किया। मंत्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को पुख्ता तैयारी करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि दशहरा केवल एक उत्सव नहीं बल्कि सनातन संस्कृति की उस शाश्वत परंपरा का प्रतीक है, जिसमें धर्म की विजय और अधर्म का नाश होता है। प्रभु श्रीराम ने मर्यादा, धर्म और सत्य के बल पर रावण जैसे अधर्म के प्रतीक का अंत किया। यह पर्व समाज को सदैव यह प्रेरणा देता है कि सत्य, न्याय और धर्म की ही अंत में विजय होती है। मंत्री सारंग ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नरेला विधानसभा में दशहरा उत्सव पूर्ण हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जायेगा। पर्व को लेकर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारी व्यापक तैयारियों में जुटे हुए हैं। मंत्री सारंग ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए नरेला विधानसभा के सभी दशहरा मैदानों पर पर्याप्त बैठक व्यवस्था की जा रही है। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिये पार्किंग एवं आवागमन के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। साथ ही नागरिकों के लिए पेयजल, चिकित्सा और अग्निशमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी जिससे उत्सव पूर्ण सुरक्षित वातावरण में हो सके।

बालाघाट के डॉ. अंकित असाटी बने पहले राहवीर

सड़क हादसे में बचाई जान, प्रभारी मंत्री ने किया सम्मानित

भोपाल। बालाघाट जिले के मोहगांव, मलाजखंड निवासी डॉ. अंकित असाटी को जिले का पहला राहवीर बनने का सम्मान मिला है। उन्होंने सड़क हादसे में घायल युवक अक्षय तेकाम की जान बचाई थी, जिसके लिए सोमवार को भोपाल में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने उन्हें 25,000 की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह घटना 13 अगस्त की रात की है, जब मलाजखंड पौनी स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास कार की टक्कर से घायल अक्षय तेकाम सड़क पर पड़ा मिला। डॉ. असाटी ने तुरंत पहल करते हुए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा और फिर जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। गंभीर हालत होने पर अक्षय को गोंदिया के निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। जिला प्रशासन ने इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए डॉ. असाटी का नाम 'राहवीर योजना' के लिए प्रस्तावित किया था। योजना के अंतर्गत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले नागरिक को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। सम्मानित होने के बाद डॉ. अंकित असाटी ने कहा कि उनका उद्देश्य योजना का लाभ लेना नहीं बल्कि मानव जीवन की रक्षा करना था। उन्होंने लोगों से अपील की कि -'सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है, इसे मानवीय कर्तव्य मानकर निभाना चाहिए।' घायल अक्षय तेकाम ने भी वीडियो जारी कर समय पर मदद और अस्पताल पहुंचाने के लिए डॉ. असाटी का आभार जताया।

स्वर्ण पदक जीतकर अवंतिका नामदेव ने किया शहडोल का नाम रोशन

भोपाल। शहडोल की होनहार बेटी अवंतिका नामदेव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि लगन, मेहनत और जुनून के सामने कोई भी मंज़िल दूर नहीं। ग्वालियर में आयोजित 69वीं शालेय राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अवंतिका ने स्वर्ण पदक जीतकर न केवल शहडोल संभाग को गौरवान्वित किया, बल्कि अब उनका चयन राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए भी हो गया है, जो आगामी अक्टूबर में अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में आयोजित होगी। अवंतिका, ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल शहडोल की कक्षा 10वीं की छात्रा हैं। पहली बार शहडोल संभाग की शिक्षा विभाग की टीम ने इस राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। अवंतिका ने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में अलग ही छाप छोड़ी। अपने आत्मविश्वास, फुर्ती और ताक़त के बल पर उन्होंने फाइनल बाउट में प्रतिद्वंदी को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल पर कब्ज़ा जमाया। राष्ट्रीय स्तर पर अब अवंतिका न सिर्फ शहडोल, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

भोजपाल गरबा महोत्सव का रंगारंग आतिशबाजी के साथ समापन

प्रतिभागियों ने जीता स्कूटी, सोने की अंगूठी, स्मार्ट फोन, 7 दिन में 83 को मिला पुरस्कार

भोपाल। राजधानी के भेल जम्बूरी मैदान पर चल रहा भोजपाल गरबा महोत्सव का सोमवार को बुंदेली लोक गायिका ममता शर्मा की रंगारंग प्रस्तुतियों और भव्य आतिशबाजी के साथ समापन हो गया। महोत्सव में प्रतिभागिता करने वाले प्रतिभागियों को ईनाम में स्कूटी, सोने की अंगूठी, स्मार्ट फोन, वॉच, नेक बैंड सहित अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा, विशिष्ट अतिथि गिरीश शर्मा, अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। भोजपाल गरबा महोत्सव के सातवें दिन गरबा महोत्सव समिति, और मोबाइल गैजेट्स पिपलानी की ओर से कई श्रेणियों में प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। फैंटास्टिक फोर ग्रुप की सुनीता राव, मृदुला, रिचा ने प्रथम पुरस्कार एक्टिवा जीता। बेस्ट कपल विशाल- शांति, बेस्ट डांसर फीमेल अत्रिका और बेस्ट कास्ट्यूम में मंजूरिका को एमजी ज्वेलर्स की ओर से गोल्ड रिंग दी गई। बेस्ट डांसर मेल करण सिंह पटेल, बेस्ट कास्ट्यूम मेल ऋषि प्रजापति को विमल इलायची की ओर से स्मार्ट फोन दिया गया। मोबाइल गैजेट्स पिपलानी की ओर से बेस्ट किड्स में अनन्या उपाध्याय, बेस्ट पगड़ी देवेंद्र मेहरा, कामन सर्कल से चिरायु मेडिकल कॉलेज की छात्राएं प्रियंका एंड ग्रुप के साथ ही अन्य प्रतिभागियों को अलग-अलग पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। सात दिन के इस आयोजन में 83 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि गरबा महोत्सव में मनोरंजन और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहरवासियों द्वारा सात दिनों तक दिए गए इस प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देते हुए सभी का आभार जताया और सहयोग देने वाले सभी साथियों को सम्मानित किया।

आज से पहले 15 मिनट आईआरसीटीसी ऑनलाइन आरक्षित टिकटों की बुकिंग पर आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

भोपाल। आरक्षण व्यवस्था का लाभ सबसे पहले आम उपयोगकर्ताओं तक पहुँचाने के लिए और बेईमान तत्वों द्वारा इस सुविधा के दुरुपयोग को रोकने के लिए, यह फैसला लिया गया है कि 01.10.2025 से, सामान्य आरक्षण खुलने के पहले 15 मिनट के दौरान, आरक्षित सामान्य टिकट, केवल आधार-प्रमाणित उपयोगकर्ता ही भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के ज़रिए बुक कर सकेंगे। हालांकि, मौजूदा वक्त में भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों के ज़रिए, सामान्य आरक्षित टिकटों की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। सामान्य आरक्षण खुलने के 10 मिनट के प्रतिबंध के समय में भी कोई बदलाव नहीं होगा, जिसके दौरान भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकट एजेंटों को पहले दिन आरक्षित टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी।

प्रो. दाण्डेकर बने भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल का कुलगुरू प्रो. मिलिन्द दत्तात्रेय दाण्डेकर को नियुक्त किया है। श्री गोविन्दराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, इंदौर (म.प्र.) के इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मिलिन्द दत्तात्रेय दाण्डेकर को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 04 वर्ष की कालावधि या 70 वर्ष की आयु जो भी पूर्वतर हो, के लिए कुलगुरु नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार इनकी सेवा शर्तें एवं निबंधन विश्वविद्यालय के परिनियम-1 ए के अनुसार शासित होंगी।

भोपाल में निकलेंगे 373 पथ संचलन

डेढ़ लाख से अधिक स्वयंसेवक होंगे शामिल

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी पर अपना शताब्दी वर्ष पूरा कर रहा है। इस वर्ष में संघ ने पूरे साल के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। जिसमें स्वयंसेवकों का सबसे पहला कार्यक्रम पथ संचलन है, जो इस बार बस्ती और मंडल स्तर पर निकाले जाएंगे। भोपाल विभाग में 373 स्थानों पर पथ संचलन निकाले जाने की योजना है, जिनमें लगभग डेढ़ लाख स्वयंसेवक शामिल होंगे। यह पथ संचलन 2 अक्टूबर से शुरू होकर 12 अक्टूबर तक निकाले जाएंगे। संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संघ के भोपाल विभाग के अंतर्गत 5 जिलों में 26 नगर और 6 खंड आते हैं। इनके अंतर्गत 279 बस्ती और भोपाल विभाग के ग्रामीण क्षेत्र में 94 मंडल (प्रत्येक मंडल में 8-10 गांव) शामिल हैं। संघ शताब्दी वर्ष में इन्हीं बस्ती और मंडल स्तर 373 पर संचलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक पंथ संचलन स्थान पर 300 से 500 की संख्या के स्वयंसेवक सम्मिलित होकर संचलन निकालने की तैयारी कर रहे हैं। संघ शताब्दी वर्ष में नए नए स्वयंसेवक भी बढ़ी संख्या में तैयार हो रहे हैं।

पासपोर्ट में जन्मतिथि सुधार की प्रक्रिया आसान की जाए : हज वेलफेयर सोसायटी

चेयरमैन और जिला अध्यक्ष ने विदेश मंत्री से की मांग, आवेदकों को हो रही परेशानियों पर जताई चिंता

भोपाल। ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन मुकीत खान एवं सोसायटी के बड़वानी जिला अध्यक्ष डॉ. एजाज खान ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से आग्रह किया है कि पासपोर्ट में जन्मतिथि संशोधन की प्रक्रिया को आम नागरिकों के लिए आसान बनाया जाए। दोनों पदाधिकारियों ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि अधिकांश लोगों के पासपोर्ट पहले चुनाव पहचान पत्र या अन्य सीमित दस्तावेजों के आधार पर बने थे। उस समय जागरूकता का अभाव होने के कारण कई पासपोर्ट में जन्मतिथि गलत दर्ज हो गई। अब जबकि आवेदक आधार, स्कूल टी.सी., मार्कशीट, जन्म प्रमाण पत्र, पैन कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस जैसे सभी दस्तावेज़ों में एक समान सही जन्मतिथि अपडेट करा चुके हैं, फिर भी पासपोर्ट नवीनीकरण के दौरान उन्हें सिर्फ जन्मतिथि असमानता के कारण परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट वेबसाइट पर जन्मतिथि संशोधन का विकल्प मौजूद होने के बावजूद, पासपोर्ट केंद्र आवेदकों को सुधार की अनुमति नहीं देकर उलटे दस्तावेज़ों को पासपोर्ट की गलत जन्मतिथि के अनुसार बदलने की सलाह दे रहे हैं।

चुनाव आयोग सख्त, 38 दल डीलिस्ट

6 को नोटिस, 13 अक्टूबर को सुनवाई

भोपाल। चुनाव आयोग ने मध्यप्रदेश में 38 राजनीतिक दलों को डीलिस्ट करने के बाद अब छह और दलों को नोटिस जारी किया है। इन दलों पर 2019 से अब तक कोई चुनाव नहीं लड़ने और पिछले तीन साल की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत न करने का आरोप है। आयोग ने इन्हें 8 अक्टूबर तक जवाब देने और 13 अक्टूबर को सुनवाई में उपस्थित होने के लिए कहा है। जिन दलों को नोटिस दिए गए हैं उनमें किसान राज पार्टी, समान आदमी समान पार्टी, समता विकास पार्टी, जनता पार्टी, अधिकार विकास पार्टी और दलित विकास पार्टी भारत शामिल हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जन प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत जवाब का अवसर देने के बाद ही इन्हें डीलिस्ट करने का निर्णय लिया जाएगा।

स्वामी, विजय कुमार दास के लिए मुद्रक, प्रकाशक पृथ्विजय कुमार दास द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड के लिए 10-10 सेक्टर बी इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं हिन्दी मेल भवन, नेशनल प्रेस एरिया, सप्रे मार्ग, लिंक रोड, नं. 3, प्लाट नं. 3, पत्रकार कॉलोनी के पास भोपाल-462003 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक : पृथ्विजय कुमार दास। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * समूह संपादक : विजय कुमार दास (RNI No. 64654/96), संयुक्त संपादक : अरूण व्यास, मो. नं. 9179174353, कार्यकारी संपादक : अनीता चौबे मो. नं. 9893288371, स्थानीय संपादक : नौशाद कुरैशी मो. नं. 9424002407, समाचार संपादक : देव चौबे मो. नं.8269453234 डीटीपी हैड : दीपेन्द्र कौशल, मोबाईल नं. 9907218737 दूरभाष: 0755-4948144, 2994470, E-mail: hindimailbpl@gmail.com, lifeindiamedia@gmail.com,(रिलीज आर्डर एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें: hindimailadvt@gmail.com पर संपर्क करें।)

सुविचार

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।
- महात्मा गांधी

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 29 वाँ वर्ष

सुप्रीम कोर्ट इन दिनों मध्यप्रदेश और राजस्थान में पुलिस हिरासत में हुई मौतों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहा है। यह स्वागतयोग्य है कि न्यायालय ने इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लिया, किंतु सवाल यह है कि क्या केवल घटनाओं पर न्यायिक हस्तक्षेप से समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा? दरअसल, मूल समस्या पुलिस व्यवस्था की जड़ों में छिपी है–और उसका समाधान 2006 में ही सुप्रीम कोर्ट सुझा चुका है। 22 सितंबर 2006 को सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक आदेश देते हुए स्पष्ट कहा था कि पुलिस को राजनीतिक और बाहरी दबाव से मुक्त करने के लिए संस्थागत ढांचे तैयार किए जाएँ। स्टेट सिक्योरिटी कमीशन, पुलिस एस्टेब्लिशमेंट बोर्ड और स्वतंत्र शिकायत प्राधिकरण जैसी व्यवस्थाएँ इसके केंद्र में थीं। इसके साथ ही बड़े शहरों में कानून-व्यवस्था और अपराध अनुसंधान को अलग करने तथा पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया गया था। दुर्भाग्य से बीस वर्ष बीत जाने के बाद भी यह सपना अधूरा है। राज्य सरकारों ने या तो इन आदेशों की औपचारिकता निभाई या फिर ऐसे अधिनियम बनाए, जिनका वास्तविक उद्देश्य मूल निर्देशों को निष्प्रभावी करना था। कारण साफ है–यदि पुलिस वास्तव में स्वतंत्र हो जाती है तो नेताओं और

संपादकीय

पुलिस सुधार विकसित भारत की अनिवार्य शर्त...

अनीता चौबे

नौकरशाहों के हाथ से उसका दुरुपयोग करने का साधन छिन जाएगा। यही वजह है कि आज भी पुलिस सुधार का पहिया अटका हुआ है। इतिहास गवाह है कि पुलिस और सत्ता की मिलीभगत ने कई बार लोकतंत्र को गहरे घाव दिए हैं। आपातकाल इसका सबसे वीभत्स उदाहरण रहा, जब पुलिस ने संवैधानिक सीमाओं को लांघकर जनता पर अत्याचार किए। शाह कमीशन ने तब साफ कहा था कि ऐसी घटनाएँ रोकनी हैं तो पुलिस को बाहरी दबाव से मुक्त करना ही होगा। आज स्थिति यह है कि जनता थाने जाने से डरती है, शिकायत दर्ज कराने में ही कोताही बरती जाती है और पुलिस की छवि मददगार के बजाय भय उत्पन्न करने वाली बनी हुई है। यदि विकसित भारत का सपना साकार करना है तो यह मानसिकता बदलनी होगी। पुलिस को जनता की पुलिस बनना होगा–न कि सत्ता की। इसके लिए तीन स्तरों पर ठोस कदम उठाने होंगे। पहला, पुलिस अपने आंतरिक व्यवहार और कार्यप्रणाली में सुधार लाए–शिकायत दर्ज करने से लेकर पीड़ित के साथ मानवीय व्यवहार तक। दूसरा, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनशक्ति की कमी दूर की जाए। आधुनिक संचार व्यवस्था, पर्याप्त वाहन, फोरेंसिक लैब और बेहतर आवास जैसी सुविधाएँ पुलिसकर्मियों के मनोबल को मज़बूत करेंगी। तीसरा, तकनीक का अधिकतम उपयोग हो–साइबर अपराध से निपटने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग और सीसीटीएनएस जैसी परियोजनाओं का विस्तार अनिवार्य है।

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है।

संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है। स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं। संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं। भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही। शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है।

> स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं।

सेहत

एलोवेरा से सेहत....

एलोवेरा पाचन क्रिया को सुधारता है, कब्ज से राहत दिलाता है, और शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, त्वचा को हाइड्रेट करता है, और मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। इसके अलावा, एलोवेरा एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जो इसे कई बीमारियों से बचाने में सहायक बनाता है।

पाचन संबंधी लाभ

पाचन तंत्र को मजबूत करता है- एलोवेरा में मौजूद एंजाइम पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं, जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

कब्ज से राहत दिलाता है- यह पेट की सूजन, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

डिटॉक्सिफाई करता है- एलोवेरा शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक होता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली और ऊर्जा

इम्यूनिटी बढ़ाता है- एलोवेरा में विटामिन ष्ट जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं और शरीर को संक्रमण से बचाते हैं।

ऊर्जा प्रदान करता है- यह शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में मदद कर सकता है।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण- एलोवेरा रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता करता है।

हृदय स्वास्थ्य- इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

त्वचा को हाइड्रेट करता है- एलोवेरा त्वचा को भीतर से हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा प्राकृतिक रूप से चमकदार बनती है।

वजन प्रबंधन- यह मेटाबॉलिज्म को तेज करने और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करके वजन नियंत्रण में सहायक हो सकता है।

दशहरा : मनुष्य को रावण बनने से बचना होगा

प्रो (डा.) मनमोहन प्रकाश

दशहरा भारत का ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भी वाहक है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि चाहे किसी के पास रावण जैसी अपार शक्ति, ज्ञान और समृद्धि क्यों न हो, यदि वह अहंकार और अधर्म से दूषित है तो उसका पतन निश्चित है। त्रेतायुग की रामकथा इसका प्रमाण है, जब भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म, सत्य और मर्यादा की पुनर्स्थापना की। तभी से प्रत्येक वर्ष दशहरे पर रावण दहन के माध्यम से समाज को यह सन्देश दिया जाता है कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, अन्याय, अत्याचार और छल जैसी प्रवृत्तियाँ अंततः मनुष्य को रावण बना कर विनाश की ओर ले जाती हैं।

दशहरा उत्सव केवल औपचारिकता के रूप में रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रह जाए, यही इसकी आत्मा है। असली चुनौती मनुष्य द्वारा अपने भीतर छिपे रावण को पहचानने और उसे समाप्त करने की है। यदि हम बाहर के रावण को जलाते रहेंगे लेकिन भीतर के रावण को पोषित करते रहें, तो दशहरे का सन्देश अधूरा रह जाएगा।

आज समाज में कई ऐसी बुराइयाँ पनप रही है जिनकी जड़ें गहराई तक प्रवेश करती जा रही हैं। चिंता का विषय यही है कि कहीं ये बुराइयां मनुष्य को धीरे-धीरे रावण की श्रेणी में ला कर खड़ा न कर दे रावण में निहित निम्न बुराइयां आज के मनुष्य के एक बड़े वर्ग में सहजता से देखी जा सकती है-

अहंकार : आज के मानव में धन, पद, शक्ति या ज्ञान पाते ही घमंडी व्यवहार करना आम हो गया है। यही रावण का मूल दोष था।

क्रोध – छोटी-सी-छोटी बात पर आज के मानव द्वारा हिंसा का सहारा लिया जाता है।क्रोध के कारण घरेलू कलह, सड़क पर झगड़े और अपराध बढ़ रहे हैं। यह न केवल पारिवारिक शांति को भंग कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी कमजोर कर रहे हैं।

भौतिक सुख और धन की अंधी दौड़ ने मनुष्य में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और शोषण को जन्म दिया है। वास्तव में लोभ ही अनैतिक आचरण की जड़ है,यह मनुष्य को समझना होगा।

वासना – आज के समाज में यौन अपराधों और अनैतिक संबंधों की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विडम्बना यह है कि रामायण का रावण, जिसने सीता-हरण किया, सीता को लंका की रानी बनाने की अनैतिक इच्छा भी रखी पर उसने कभी भी उन्हें जबरन हवस का शिकार नहीं बनाया। इसके विपरीत आज का विकृत मनुष्य- रिश्तों, उम्र और मर्यादाओं की परवाह किए बिना नारी की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है और अस्मिता को रौंद रहा है।

असत्य और छल – झूठ, वादाखिलाफी और धोखा आज जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं, जिससे आपसी विश्वास टूट रहा है।

ईर्ष्या और द्वेष – भारत जैसे देश में जाति, धर्म, भाषा या वर्ग के आधार पर नफरत फैलाना, दूसरों की प्रगति से असहज होना, सामाजिक सौहार्द को कमजोर करना और विघटनकारी ताकतों को बल देने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।यह देश की प्रगति के लिए किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

अनुशासनहीनता – किसी भी समाज के व्यक्तियों द्वारा कानून और संविधान की अवहेलना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, कानून को अपने हाथों में लेना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।हमारे देश में इस तरह की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं।क्या यह सामाजिक पतन का प्रतीक नहीं है? देश वासियों को इस पर विचार करना होगा ।

नशावृत्ति – शराब, ड्रग्स और जुए की लत व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। इन्हें विकृत मानसिकता और अपराध का जनक भी कहा जाता। अतः मानव श्रेष्ठ के लिए इनसे बचना ही उचित है।

अनैतिक दोहन – रावण की तरह ही आज भी मनुष्य का एक बड़ा वर्ग अपनी शक्तियों और साधनों का दुरुपयोग कर प्रकृति, गरीबों और कमजोरों का शोषण कर रहा है।

स्वार्थपरता – व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों को राष्ट्रहित से ऊपर रखना और दूसरों की पीड़ा के प्रति असंवेदनशील बने रहना आज की बड़ी समस्या है। इन बुराइयों से ग्रस्त व्यक्ति चाहे कितना ही सभ्य और शिक्षित क्यों न दिखाई दे, धीरे-धीरे मानव से रावण बनता जाता है। भगवद्गीता (16.4) में स्पष्ट कहा गया है दम्भो दर्पोऽभिमानश्च क्रोधः पारुष्यमेव च। अज्ञानं चाभिजातस्य पार्थ सम्पदामासुरीम इसका अर्थ यही है कि दम्भ (पाखंड), दर्प (अहंकार), अभिमान (घमंड), क्रोध, कठोरता और अज्ञानता आदि सब आसुरी स्वभाव के लक्षण हैं।वहीं महाभारत (शान्ति पर्व, 109.10) में कहा गया है कि धर्म नानुचरन्ति ये ते नराः पशवो हि ते। जिसका अर्थ है कि जो लोग धर्म का पालन नहीं करते, वे मनुष्य होकर भी पशु समान हैं।

ज्ञानवाणी

दो दोस्त

दोस्ती एक ऐसा अनमोल रिश्ता है जो खून से नहीं, बल्कि दिलों से जुड़ता है। सच्चा मित्र वही है जो हर परिस्थिति में साथ निभाए। इस बात को समझाने के लिए एक कहानी बहुत प्रसिद्ध है।

बहुत समय पहले की बात है। दो घनिष्ठ मित्र थे ङ्क अर्जुन और विजय। दोनों बचपन से ही साथ बड़े हुए थे। पढ़ाई, खेल और गाँव के कामों में हमेशा एक-दूसरे का साथ देते। उनकी गहरी दोस्ती देखकर लोग कहते थे कि यह दोनों कभी जुदा नहीं हो सकते।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे पास के शहर जाकर व्यापार के अवसर तलाशेंगे। उन्हें उम्मीद थी कि शहर में मेहनत करके अच्छा भविष्य बना सकेंगे। यात्रा शुरू हुई और वे जंगल के रास्ते से जाने लगे। यह जंगल घना और सुनसान था। दिन ढलने को था और धीरे-धीरे अँधेरा बढ़ रहा था।

चलते-चलते अचानक रास्ते में एक बड़ा भालू आ गया। दोनों मित्र घबरा गए। अर्जुन को पेड़ पर चढ़ना आता था, इसलिए उसने बिना समय गँवाए तुरंत एक ऊँचे पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचा ली। दूसरी ओर विजय को पेड़ पर चढ़ना नहीं आता था। उसने चारों ओर नज़र दौड़ाई लेकिन उसे कोई सुरक्षित जगह नहीं मिली।

विजय ने तुरंत एक उपाय सोचा। उसे याद आया कि भालू मरे हुए प्राणियों को नहीं खाता। इसलिए वह ज़मीन पर लेट गया और अपनी साँस रोक ली। वह बिलकुल स्थिर हो गया मानो मर गया हो। भालू उसके पास आया, सूँघा और समझा कि यह आदमी मर चुका है। इसलिए वह बिना कोई नुकसान पहुँचाए वहाँ से चला गया। भालू के जाने के बाद अर्जुन पेड़ से नीचे उतरा। वह थोड़ी हँसी मज़ाक के अंदाज़ में बोला -

अरे विजय, वह भालू तुम्हारे कान में क्या कह गया? ज़रूर कोई राज़ बताया होगा।

विजय गंभीर स्वर में बोला -

हाँ, उसने मुझे एक बड़ा राज़ बताया। उसने कहा -उन दोस्तों से सावधान रहो जो मुसीबत के समय तुम्हें अकेला छोड़कर अपनी जान बचा लें।

यह सुनकर अर्जुन शर्मिंदा हो गया। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। वह समझ गया कि संकट के समय उसने विजय को अकेला छोड़ दिया, जबकि सच्चा मित्र वही होता है जो मुश्किल में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहे। उसने विजय से माफी माँगी और वादा किया कि अब कभी भी उसे अकेला नहीं छोड़ेगा।

शिक्षा

यह कहानी हमें एक बहुत गहरी सीख देती है। असली मित्र वही है जो कठिनाइयों में भी आपका साथ न छोड़े। जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो, तब तो कोई भी मित्रता निभा सकता है। परंतु जब जीवन में परेशानी और संकट आते हैं, तभी सच्चे और नकली मित्र की पहचान होती है। इसलिए हमें मित्र चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए और स्वयं भी ऐसा मित्र बनना चाहिए जो दूसरों का साथ हर हाल में निभाए।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1705 संसद ने घोषणा की, की हंगरी स्वतंत्र होने के बाद रकोजी राजा बनाया जायेगा।
1788 विलियम ब्रॉडी को एडिनबर्ग में टॉलबुथ में लटका दिया गया।
1800 एक गुप्त संधि में स्पेन ने लुइसियाना को फ्रांस में सौंप दिया गया।
1801 सैन इल्डेफोन्सो की तीसरी संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ, स्पेन ने लुसियाना के औपनिवेशिक क्षेत्र को इटली के टस्कनी क्षेत्र के बदले फ्रांस को लौटा दिया।
1826 स्कॉटलैंड में मोंकलैंड और किर्किन्तिलोच रेलवे का उद्घाटन किया गया।
1829 केप टाउन में दक्षिण अफ्रीकी कॉलेज का उद्घाटन किया।
1843 विश्व की प्रत्येक खबर का प्रकाशन लंदन में आरम्भ किया गया।
1867 कार्ल मार्क्स की प्रसिद्ध पुस्तक दास कैपिटल प्रकाशित हुई।
1883 सिडनी हाई स्कूल (पहले लड़कों का पब्लिक स्कूल) सिडनी ऑस्ट्रेलिया में स्थापित किया गया।
1887 ब्रिटिश साम्राज्य ने बलूचिस्तान का कार्यभार संभाला।
1888 नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका का प्रकाशन पहली बार किया गया।
1890 संरक्षणवादी जॉन मुइर और लेखक रॉबर्ट अंडरवुड जॉनसन के आग्रह पर, संयुक्त राज्य कांग्रेस ने कैलिफोर्निया में योसेमाइट नेशनल पार्क की स्थापना की।
1890 कैलिफोर्निया के योसेमिटी नेशनल पार्क में कांग्रेस की स्थापना की गयी।
1891 स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, रेल मैगनेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर लेलैंड स्टैनफोर्ड और उनकी पत्नी जेन द्वारा स्थापित किया गया, जो कि पूर्व अलापोलो, कैलिफोर्निया में अपनी पूर्व भूमि पर आधिकारिक तौर पर 559 छात्रों और विदाई के साथ खुला था।
1892 शिकागो विश्वविद्यालय आईसीटी प्रथम श्रेणी में रखा गया।
1896 गोटलीब डैमलर दुनिया का पहला पेट्रोल ट्रक बनाया।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। भाग्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से आपको घेरे हुए थी तो वह खत्म होगी, आप उसमें किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा अवश्य करें, जिसे आप समय से समाप्त करने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृष राशि: आज आपका सामाजिक प्रयास बेहतर रहेंगे। आप कुछ नये प्रयास बेहतर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको अपने किसी परिजन को धन देने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते भी खराब हो सकते हैं।

मिथुन राशि : आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। नौकरी में भी आपको प्रमोशन मिलेगा। आप खुलकर खर्च करेंगे, क्योंकि आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी, लेकिन फिर भी आप बेवजह खर्च करने से बचें। आप संतान को कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आप जल्दबाजी के कारण कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। आपने यदि बिजनेस से संबंधित कोई निर्णय लिया, तो इसके लिए बाद में आपको पछतावा होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए कला कौशल में निखार लेकर आएगा। आपके कामों की सराहना होगी और आपके हुनर को भी लोग पहचानेंगे। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आपको धन को लेकर किसी के बहकावे में आने से बचना होगा। आप किसी सरकारी मामले में ढील दे सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन नौकरी में बदलाव के लिए बेहतर रहने वाला है। आप अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। बिजनेस में उतार चढ़ाव रहने से आपको टेंशन बनी रहेगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

वृश्चिक राशि: आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। जन कल्याण के कार्य में आपकी रुचि रहेगी। आपको माताजी से किसी किए हुए वादे को पूरा करना होगा। दान धर्म के कार्य में आपका काफी रुचि रहेगी और परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ बनी रहेगी।

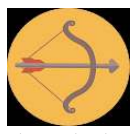

धनु राशि: आज का राशिफल आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, लेकिन आपको नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपनी किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए कहीं बाहर जा सकते हैं। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। माता पिता की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे और परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। प्रॉपर्टी को लेकर कोई विवाद यदि लंबे समय से घेरे हुए था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आज आप पूरे जोश से कामों को करेंगे। आपकी कार्य क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप की कुछ नए लोगों से नजदीकियां भी बढ़ेंगी। लोगों से आप प्रेम से काम निकालने में कामयाब रहेंगे। राजनीति में भी आपको कोई नया पद मिल सकता है।

24 ग्राम पंचायत के 32 ग्रामों को बनाया आदि सेवा केन्द्र

प्रशासनिक अधिकारियों के भी मोबाईल नंबर किए अंकित

आमला। जनजातीय समुदाय के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़ने तथा उनकी समस्याओं का, मांगो का निराकरण ग्राम में ही करने और आदिवासी समुदाय के परिवारों को रोजगार शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम स्तर पर आदि सेवा केन्द्र शुरू किए गए है। आमला ब्लॉक में कुछ ग्रामों में आदि सेवा केन्द्र संचालित भी होना प्रारंभ हो गया है। इन केन्द्रों के माध्यम से शासन की योजनाओं से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध करवाई जा रही है जनजातीय परिवारों को अपनी समस्याए लेकर ब्लॉक मुख्यालय से जिला मुख्यालय तक न जाना पड़े इसके लिए आदि सेवा केन्द्रों में प्रति मंगलवार जनसुनवाई का भी प्रावधान रखा गया है अपनी समस्या प्रशासन तक शासन तक अपनी बात रख सके इस उद्देश्य से आदि सेवा केन्द्रों की दीवारों पर प्रमुख जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के मोबाईल नंबर भी लिखवाए जा रहे है। अधिकांश आदि सेवा केन्द्रों की दिवालों पर लेखन कार्य पूरा भी हो चुका है। जब ग्राम पंचायत लादी के सरपंच राजु सिलु से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में दो आदि सेवा केन्द्र बनाए गए है। एक लादी में और दूसरा ग्राम खारी माल में आदिसेवा केन्द्र बनाया गया है। दोनो स्थानों पर जनसुनवाई भी होगी। आज लादी में आयोजित जनसुनवाई में ग्रामीणों ने अपनी बाते भी रखी और आवेदन भी दिए।

अब हर मंगलवार 32 ग्रामों में भी होगी जनसुनवाई

अतिरिक्त कक्ष की हो व्यवस्था

ग्राम पंचायत जमदेहीखुर्द की सरपंच सुखवती इमरत उइके से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि हमारी पंचायत में दो आदि सेवा केन्द्र संचालित हो रहे है एक जमदेहीखुर्द तो दूसरा बड़ाखारी में। दोनो जगह लेखन आदि का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है और जनसुनवाई भी शुरू कर दी गई है।

32 ग्रामों को मिलेगा लाभ

भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया गया है जनपद पंचायत आमला के आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायतों को इसमें शामिल किया गया है ब्लॉक की 24 ग्राम पंचायतों के 32 ग्रामों का इस अभियान से लाभ मिलेगा और धीरे धीरे आदिवासी बाहुल्य ग्रामों का कायाकल्प हो जाएगा।

शासकीय भवन में हो रहे संचालित

फिलहाल आदि सेवा केन्द्र ग्राम पंचायतों के भवन से संचालित किए जा रहे है ग्राम पंचायत के भवनों को आदि सेवा केन्द्र में तब्दील किया गया है ऐसे ग्राम जंहा पर पंचायत भवन नही है वहां दूसरे शासकीय भवनों में आदिसेवा केन्द्र बनाए गए है जैसे अतिरिक्त कक्ष, आंगनवाड़ी केन्द्र आदि।

इनका कहना

2 अक्टूबर से सभी आदि सेवा केन्द्र विधिवत् प्रारंभ हो जाएंगे। आदि सेवा केन्द्रों के माध्यम से जनजातीय वर्ग के परिवारों को सभी योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जाएगा। - **सजीत श्रीवास्तव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आमला**

आमला सारणी लादी मार्ग पर महाकाली का है वर्षो पुराना दरबार

पुराने मंदिर का किया जा रहा नवनिर्माण

आमला। आमला लादी सारणी मार्ग पर ग्राम लादी के समीप महाकाली का वर्षो पुराना दरबार है दरबार कितना पुराना है कोई नही जानता ग्रामीणों का कहना है मंदिर में स्थापित महाकाली की प्रतिमा सेकड़ो वर्ष प्रचीन है तथा स्वयं प्रकट हुई है याने की जमीन के निकली है दरबार पहले छोटा तथा मंदिर पुराना था अब ग्रामीणों द्वारा आपसी सहयोग से मंदिर का नवनिर्माण किया जा रहा है मंदिर के बिल्कुल समीप एक परिवार ने नया मंदिर भी बनवा दिया है महाकाली दरबार हजारों भक्तों की आस्था का केंद है आज महाअष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में धर्मिक आयोजन हुए साथ ही विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया ग्राम पँचायत लादी के सरपँच राजू सीलु ने बताया महाकाली जी के मंदिर का नवनिर्माण प्रगति पर है वही ग्रामीण मोहन सरियाम, दुर्गा सीलु किसानु यादव पिल्लू सरियाम, साहबलाल सीलु ने बताया महाकाली दरबार मे जो प्रतिमा है वहाँ काफी प्रचीन है हमारे पूर्वज बताते थे कि कई वर्ष से हम इस स्थान को देख रहे है पहले दूर दूर से महाकाली के भक्त दरबार मे हाजरी लगाने आते थे

विसर्जन घाटों पर सुनिश्चित की जाएं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं: कलेक्टर

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतें प्राथमिकता से बंद कराएं। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के ने निर्देश दिए की समस्त विभागों के एल- 1,एल- 2 अधिकारी माह सितंबर 2025 की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को अधिक से अधिक संतुष्टि पूर्वक उच्च प्राथमिकता से बंद करायें। साथ ही 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को बंद कराना सुनिश्चित करें।

लायंस क्लब के सदस्यों ने की डीजे के ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग

विदिशा। मंगलवार को लायंस क्लब के सदस्य कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि वर्तमान में तेज ध्वनि से बज रहे डीजे के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित मानक ध्वनि के अनुसार ही डीजे बजाए जाएं, अगर कोई तेज ध्वनि से डीजे बजाता है तो उसे जप्त कर कार्रवाई की जाए। मंगलवार को लायंस क्लब के सदस्य बड़ी संख्या में कलेक्टोरेट पहुंचे और डीजे की तेज आवाज पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। इस दौरान लायंस क्लब अध्यक्ष शाश्वत शर्मा ने बताया कि वर्तमान में नवरात्रि के दौरान कार्यक्रमों में तेज गति से डीजे बजाए जा रहे हैं, जिसके कारण से हार्ट के मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और शासन द्वारा जो डीजे की ध्वनि निर्धारित की गई है उसका पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि भोपाल में भी डीजे बज रहे हैं लेकिन चार बॉक्स से ज्यादा उपयोग नहीं किया जा रहे हैं, लेकिन यहां पर डीजे संचालक अपनी मनमर्जी चला रहे हैं और तेज गति से डीजे बजाकर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनके व्यापार में रुकावट नहीं चाहते हैं, लेकिन मानक अनुरूप के अनुसार डीजे की आवाज में बजाया जाए, जिससे कि लोगों को हो रही दिक्कतों से बचाया जा सके।

जननी एक्सप्रेस पलटने से नवजात की मौत माता घायल

नशे में धुत था जननी एक्सप्रेस का चालक

आमला। सरकार चाहे लाख दावा करें कि दूरदराज अंचलों में भी स्वास्थ्य विभाग की सुविधाए सरलता से मिल रही है समय पर जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस मरिजों के पास पंहुचती है। इन वाहनों में सफ्र करना सुविधाजनक और सरल है पर आमला ब्लॉक में ये सब दांवे खोखले साबित हो रहे है जननी एक्सप्रेस के चालक नशे में धुत होकर वाहन दौड़ाते है लाख कोशिश करने के बाद भी वाहन समय पर प्रसुताओं के पास नही पंहुच पाता। जननी एक्सप्रेस समय पर नही पंहुचने और चालक की लापरवाही से ग्राम माण्डई के एक परिवार की खुशिया गम में बदल गई। मिली जानकारी के अनुसार बोरदेही थाना क्षेत्र में मंगलवार की अल सुबह एक महिला ने घर में बच्चे को सकुशल जन्म दिया था. परिजनो की खुशियों का ठिकाना न था. परिवार के लोग एक दूसरे को बधाइयां दे रहे थे, लेकिन ये खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी। जननी एंबुलेंस से अस्पताल जाने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें नवजात की मौत हो गई और मां गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्चे के शव को ढुढने में घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। दीपामंडई निवासी दिलीप इवनाती ने बताया, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात मेरी पत्नी कलस्या बाई को प्रसव पीड़ा शुरू हुई थी, तब मैंने आशा कार्यकर्ता को कॉल कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने जल्द जननी एंबुलेंस लेकर घर पहुंचने की बात कही, लेकिन एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, महिला की घर में ही डिलीवरी हो गई थी और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित

समय पर नही पंहुची जननी एक्सप्रेस तो घर पर ही हुआ प्रसव

ब्यूरो : जितेन्द्र शर्मा

थे. इसी बीच जननी 108 एंबुलेंस घर पहुंची और जच्चा-बच्चा को लेकर बोरदेही अस्पताल जाने के लिए निकली। वाहन में पत्नी कलस्या बाई, नवजात शिशु, मेरी मां और सास सवार थी।

सीट में घंटो फसा रहा नवजात

ग्रामीण दिलीप ने बताया कि जननी एक्सप्रेस चालक अंधेरे में वाहन तेज रफ्तार से चला रहा था। दीपामांडई रेलवे गेट के पास नाली में फंसकर एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई और नवजात बच्चा एंबुलेंस सीट के नीचे कहीं दब गया था, जो अंधेरा होने के कारण दिखाई नही दिया, वहीं वाहन में सवार कलस्या बाई सहित अन्य लोगों को बाहर निकालकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इधर करीब 1 घंटे तक नवजात का पता नहीं चला. इसके लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, नवजात के मिलने में बहुत देर हो चुकी थी. सिर में चोट लगने से उसकी मृत्यु हो गई।

नशे में था एंबुलेंस चालक

परिजनो का आरोप है कि एंबुलेंस चालक नशे में तेज गति से वाहन चला रहा था, जिस वजह से यह हादसा हुआ। वहीं बोरदेही अस्पताल में घायल नवजात की मां सहित अन्य का इलाज किया गया। फिलहाल, घायलों की हालत बेहतर है उन्हें सिविल अस्पताल आमला भेज दिया गया है। इस घटना के बाद से ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश है. उन्होंने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है।

पोस्टमार्टम के बाद कार्रवाई

बोरदेही टीआई राधेश्याम वट्टी ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिली कि एक नवजात शिशु की मौत हुई है. उसका पोस्टमार्टम कराने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.। वहीं आमला बीएमओ डॉ. अशोक नरवरे ने कहा जानकारी मिली है 108 जननी एक्सप्रेस वाहन पलट गया था है. बाइक को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ है। हादसे में नवजात शिशु की मौत हो गई है, उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा.।

दशहरा पर्व को लेकर दशहरा मैदान पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जयजा

विदिशा। मंगलवार को सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष और नगर पालिका के अधिकारी जैन कॉलेज स्थित दशहरा मैदान पहुंचे और दशहरा पर्व को लेकर तैयारी का जायजा लिया गया। इस दौरान ग्राउंड में लोगों के बैठने और सुरक्षा व्यवस्था सहित लाइट व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। रामलीला जानकी कुंड में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है।

नगर के जैन कॉलेज स्थित दशहरा मैदान पर 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान श्री सनातन हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी ने बताया कि मंगलवार को दशहरा मैदान का निरीक्षण किया गया और दशहरा पर्व को लेकर चल रही तैयारी को लेकर नगर पालिका अधिकारियों को पुख्ता इंतजाम करने और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व पर जैन कॉलेज में रावण दहन सहित आकर्षित आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने कहा कि दशहरा परिसर में रोलर चलाकर समतल करने और गड्ढों में मिट्टी डालकर भरने को कहा गया है ताकि यहां आने वाले लोगों के लिए किसी प्रकार की कोई परेशानियां ना आए। लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं साथ ही विद्युत व्यवस्था करने के लिए भी नगर पालिका को कहा गया है। उन्होंने कहा कि दशहरा मैदान पर रंग बिरंगी आतिशबाजी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं और उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न आए इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया जानकी कुंड में दुर्गा प्रतिमाओं को विसर्जित करने के लिए जानकी कुंड का गहरीकरण कराया गया है और उसमें बेतवा नदी से पानी भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी को शुद्ध करने के लिए फिटकरी डाली जाएगी और दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन जानकी कुंड में किया जाएगा जिसको लेकर नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वहीं नगर पालिका अधिकारी और एसडीएम सहित अधिकारी भी दशहरा मैदान पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही किसी प्रकार की कोई कमी ना रहे इस संबंध में कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

जीएसटी 2.0 संक्रमण के दौरान अन रजिस्टर्ड और कम्पोजिट दवा विक्रेताओं ने की राहत की मांग की

विदिशा। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स जो देशभर के 12.5 लाख से अधिक केमिस्टों और वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से छोटे खुदरा विक्रेताओं और केमिस्टों को हो रहे घाटे से बचाने हेतु तत्काल कदम उठाने का अनुरोध करते हुए एक ज्ञापन प्रेषित किया है ।

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के अध्यक्ष जेएस शिंदे और सचिव राजीव सिंघल ने व्यवहारिक और छोटे व्यापारियों के हो रहे घाटे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जीएसटी दरों में कटौती से उपभोक्ताओं को लाभ मिला है, किन्तु छोटे विक्रेताओं की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। अन रजिस्टर्ड और कम्पोजिट डीलर द्वारा उच्च जीएसटी दरों पर खरीदा गया स्टॉक अब कम कीमत पर बेचना पड़ रहा है, जिससे उन्हें अपरिहार्य नुकसान हो रहा है, विशेषकर जब दवा पर मार्जिन एनपीपीए द्वारा तय किया जाता है। अधिकांश छोटे व्यापारी जीएसटी में पंजीकृत नहीं हैं या फिर कम्पोजिट डीलर हैं जो कि इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा नहीं कर सकते।

एआईओसीडी ने सरकार से अनुरोध किया है कि तीन माह तक छोटे व्यापारियों के पास जो स्टॉक हैं उसकी बिक्री पुराने एमआरपी पर विक्रय की अनुमति दी जाए, यदि आवश्यक हो तो विशेष राहत पैकेज भी घोषित किया जाए और इस परिवर्तन काल की अवधि में छोटे विक्रेताओं के साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न या दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।

एआईओसीडी ने निवेदन किया हैं कि यदि तत्काल राहत नहीं दी गई तो अनेक छोटे केमिस्ट की दुकानें बंद हो सकती हैं, जिससे ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में दवाओं की उपलब्धता प्रभावित भी अवश्य होगी जो कि सरकार की जवाबदारी होगी। संगठन ने सरकार से इस ऐतिहासिक सुधार के दौरान भारत के द्वारा नजर अंदाज किए गए खुदरा दवा व्यापार की रीढ़ को सुरक्षित रखने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

परिवार समग्र आईडी अलग करने की मांग को लेकर दिया आवेदन

विदिशा। मंगलवार को लटेरी नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 14 के गोपीतलाई के रहवासी बड़ी संख्या में कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि माता-पिता की आईडी के साथ उनकी आईडी आ रही है, जिसे पहले अलग कर दिया गया था, लेकिन फिर भी उनकी आईडी परिवार के साथ आ रही है। जिसके कारण से उन्हें शासन की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आईडी अलग करने की मांग की है।

मंगलवार को लटेरी नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 14 के गोपीतलाई के रहवासी बड़ी कलेक्टोरेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले भी कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी आईडी हमारे माता-पिता के साथ आ रही है, जिसके कारण से हम लोगों को शासन की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे करीब 18 परिवार है जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि उनके माता-पिता को पहले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने योजना का लाभ मिलने से पहले ही हमारी आईडी अलग कर ली थी, लेकिन इसके बावजूद वह हमारे माता-पिता के साथ नाम दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी आवेदन देकर कई बार निवेदन कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हम लोगों की आईडी अलग हो जाती है तो हम लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने की मांग

विदिशा। गुलाबगंज तहसील के ग्राम सुआखेड़ी निवासी एक परिवार अपने बेटे के हत्यारे को गिरफ्तार करने और कठोर कार्रवाई करने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टोरेट पहुंचे और जनसुनवाई में आवेदन दिया गया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि चाची मोहनी अहिरवार, चाचा सहित अन्य दो लोगों ने मिलकर उनके बेटे की हत्या की है। उन्होंने पहले भी आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मंगलवार को गुलाबगंज तहसील के ग्राम सुआखेड़ी निवासी मुन्नी बाई अहिरवार अपने पति के साथ कलेक्टोरेट पहुंची और जनसुनवाई में आवेदन दिया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके बेटे की हत्या की गई है। इस मामले में चाची मोहनी अहिरवार, चाचा और दो अन्य लोगों ने मिलकर उनके बेटे लालू अहिरवार की हत्या की है। इस मामले को लेकर वह पहले भी आवेदन दे चुकी हैं और थाने में भी कई बार जाकर कार्रवाई करने की मांग कर चुकी हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि चाची मोहनी अहिरवार उनके बेटे पर पैसे देने का दबाव बनाती थी, इसी बात को लेकर दोनों में मामूली विवाद हुआ था। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा शक है कि मोहिनी अहिरवार, चाचा और दो अन्य लोगों ने उनके बेटे की हत्या की है, क्योंकि जिस दिन उनका बेटा घर से भोपाल की कहकर गया था उस दिन इन लोगों द्वारा उसका पीछा किया गया था और इसके बाद वह मृत मिला था। उन्होंने आवेदन देकर आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

श्री शीतलाष्टमी वार्षिक महा महोत्सव एवं महा मस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन सानंद सम्पन्न

विदिशा। श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट अंदर किला द्वारा आयोजित दसवें तीर्थंकर श्री शीतलनाथ स्वामी के चार कल्याणकों से पवित्र अतिशय क्षेत्र उदयगिरी नसिया जी में श्री शीतल अष्टमी महोत्सव एवं महा मस्तकाभिषेक का मंगलमय आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रवक्ता डॉ. मक्खन लाल जैन द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्षानुसार शीतलअष्टमी पर उदयगिरि नसिया में मेले का भव्य आयोजन होता है। सर्व प्रथम श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया तत्पश्चात उदयगिरि नसिया में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। सर्वप्रथम प्रातः 7 बजे से श्री जिनेद्र प्रक्षाल, पूजन एवं निर्वाण लाडू बड़ा जैन मंदिर किले अंदर में चढ़ाया गया, प्रातः 9 बजे से नसिया जी में श्री जिनेन्द्र शोभायात्रा निकाली गई जिसमें भगवान का पर्वत की तलहटी तक वन भ्रमण कराया गया। प्रातः 9.30 बजे से ध्वजारोहण संजय सेठ मानव मानस सेठ परिवार द्वारा किया गया। प्रातः 10 बजे से प्रवचन ब्रह्मचारी अमित भैया, पं. प्रतीक शास्त्री द्वारा, प्रातः 11 बजे से श्री जिनेद्र पूजन, महा मस्तकाभिषेक, निर्वाण लाडू चढ़ाया गया जिसमें प्रथम इंद्र डॉ. मक्खनलाल जैन, शोभित जैन, डॉ. मोहित जैन, द्वितीय पंडित शिखरचंद जैन परिवार, तृतीय रीतेश जैन परिवार , चतुर्थ मलुकचंद जैन मुकुल जैन खेरुआ, पांचवे इंद्र भारतभूषण जैन परिवार द्वारा महा मस्तकाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रातः 12 बजे से वात्सल्य भोज सभी समाजजनों के लिये राजेश जैन अनर्घ्य शास्त्री निजेश जैन पुण्यार्जक परिवार बना। ट्रस्ट अध्यक्ष मलुकचंद जैन खेरुआ, रवि पटेल, प्रकाश सिंघई, एड चक्रवर्ती जैन, रीतेश जैन, संजय जैन, राकेश मोदी, राजकुमार प्रिंस, वीरेंद्र मानपुर, इंजी सुरेंद्र जैन, डॉ. एमएल जैन आदि ने कार्यक्रम का आभार माना।

नवरात्रि एवं दशहरा पर्व पर विदिशा पुलिस रहेगी मुश्तैद

विदिशा। नवरात्रि, रावण दहन, चल समारोह एवं मूर्ति विसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु विदिशा पुलिस ने पूरे जिले में विशेष सुरक्षा प्रबंध लागू किए हैं।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे तथा समस्त अनुविभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में सभी थाना/चौकी प्रभारियों को गहन निगरानी, सतत गश्त और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें मुख्य बाजार, गलियां, दुर्गा पंडाल, रावण दहन स्थल व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की सतत उपस्थिति। चिन्हित चौक, मंदिर एवं सार्वजनिक स्थलों पर कड़ी सुरक्षा। लाइव निगरानी कर किसी भी आपात स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित सुरक्षा कवरेज। बाहर से आने वाले व्यक्तियों की जांच कर सुरक्षा सुनिश्चित।

चल समारोह मार्ग व्यवस्था

2 अक्टूबर को शाम 4 बजे से 3 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे तक दशहरा के अवसर पर रावण दहन, चल समारोह एवं मूर्ति विसर्जन के दौरान यातायात को सुचारू रखने हेतु निम्न मार्गों पर दो, तीन, चार पहिया एवं समस्त भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

प्रतिबंधित मार्ग

पुराना अस्पताल तिराहा, माधवगंज, तिलक चौक, बड़ा बाजार, बजरिया, रामलीला तक। रामलीला, तोपपुरा, बजरिया, बड़ा बाजार, तिलक चौक, कोतवाली, माधवगंज, पुराना अस्पताल तिराहा तक।

अशोकनगर/गुना से भोपाल जाने वाले भारी वाहन ढोलखेड़ी होकर बैरसिया। भोपाल से अशोकनगर गुना की ओर जाने वाले भारी वाहन सांची उदयगिरि होते हुए अशोकनगर गुना की ओर जा सकेंगे। सागर से अशोक नगर, गुना, बैरसिया की ओर जाने वाले समस्त वाहन ओलंपस स्कूल, ढोल खेड़ी होते हुए अशोकनगर, गुना, बैरसिया की ओर जा सकेंगे। विवेकानंद चौराहा से रामलीला/ढोलखेड़ी की ओर जाने वाले वाहन महलघाट, मीणा धर्मशाला होते हुए। गुना, अशोकनगर, ढोलखेड़ी से विदिशा आने वाले वाहन मीणा धर्मशाला से महलघाट होकर।

रावण दहन पार्किंग व्यवस्था

जैन हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड एवं पुलिस कैफेटेरिया ग्राउंड आमजन के लिए। जैन कॉलेज परिसर एवं हरिपुरा मार्ग सोठिया अंडरपास से आने वाले नागरिकों के लिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 35 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील एवं जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ़-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में भारतीय किसान संघ की बैठक आयोजित हुई। अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर (प्रशिक्षु) अक्षय डिगरसे सहित भारतीय किसान संघ के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान किसान संघ के प्रतिनिधियों ने पराली प्रबंधन, बीज वितरण, कृषि उपकरणों के उपयोग, धान उपार्जन, खाद्य सामग्री एवं यूरिया-डीएपी की कालाबाजारी जैसे मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों के समक्ष विस्तार से अपनी समस्याएं रखीं। किसान संघ ने बताया कि जिले में छोटे और सीमांत किसान आधुनिक उपकरणों का उपयोग नहीं कर पाते। पराली प्रबंधन के अंतर्गत विभाग द्वारा किसानों को सस्ती और सरल तकनीक बताने की मांग की गई। धान और सोयाबीन बीज वितरण की पारदर्शी सूची 5 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही कृषक प्रशिक्षण, खेत पाठशाला, किसान भ्रमण जैसी गतिविधियों की जानकारी किसानों को समय पर देने पर बल दिया गया। किसानों ने धान उपार्जन प्रति हेक्टेयर 22 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल करने की मांग की।

जिले के छोटे-बड़े बांधों की सूची और सिंचाई क्षेत्र का मानचित्र किसान संघ को उपलब्ध कराने की मांग की गई। ग्राम बिजौरी में टूटी नहरों की मरम्मत, बिलगांव जलाशय मध्यम परियोजना बिलग?ा बांध में हॉर्न (सायरन) की व्यवस्था, 43 गांवों तक पानी पहुंचाने हेतु नहरों की मरम्मत, वेस्टवियर गेट पर फेंसिंग और लाइट की व्यवस्था सहित मुख्य स?क तक डामरीकरण करने की मांग रखी गई। भैसवाही और भाखा बांध में लीकेज एवं क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत, तरच एनीकट बांध से अतिक्रमण हटाने और परियाकला व रावनकुंड में छोटे बांध बनाने की भी मांग की गई। कम वोल्टेज वाले ट्रांसफार्मर बदलने, ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर केबल बदलने, 132 केवी सब-स्टेशन शहपुरा को शीघ्र चालू करने, किसानों को 5 रुपये में कनेक्शन देने, जले हुए ट्रांसफार्मर बदलने के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू करने तथा 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की गई।

जिले में लाइसेंसधारी गल्ला व्यापारियों की सूची, रेट लिस्ट नहीं लगाने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई, ग्रामीण क्षेत्रों में कम कीमत पर खरीदी करने वाले व्यापारियों एवं वाहनों पर कार्रवाई, शहपुरा व डिंडौरी मंडियों को अतिक्रमण मुक्त करने तथा रोड किनारे खरीदी करने वाले लाइसेंसधारी व्यापारियों को मंडी में स्थान उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। पशु चिकित्सा विभाग में दवाइयों की उपलब्धता, समय पर इलाज की सुविधा और डिंडौरी में मिल्क रूट विकसित करने की मांग की गई। जिले में उद्यानिकी के स्थाई ढांचे की संख्या 50 तक ब?ाने, विकासखंड स्तर पर कार्यालय स्थापित करने, कृषि उपकरणों के पोर्टल एवं वास्तविक मूल्य में अंतर समाप्त करने की मांग की गई।

रजिस्ट्री के साथ नामांतरण दस्तावेज उपलब्ध कराने, परंपरागत रास्तों का नक्शे में अंकन, राजस्व न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरा लगाने, पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रति तीन माह में जागरूकता पखवा?ा चलाने, फौती नामांतरण की समय सीमा तय करने और सरकारी नाला, नदी, तालाब, झरना, गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की गई। खाद्य वितरण केंद्रों के परिसीमन में सुधार की मांग की गई ताकि किसानों को निकटतम केंद्र से खाद्य सामग्री प्राप्त हो सके। किसानों ने जिले में कृषि महाविद्यालय खोलने, फसल को जंगली जानवर एवं आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति देने और फेंसिंग के लिए 80 प्रतिशत अनुदान देने की मांग की। साथ ही समस्त विभागों के सामने पेयजल उपलब्धता की भी आवश्यकता बताई। बैठक के अंत में कलेक्टर नेहा मारव्या ने सभी विभागों को किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु निर्देश दिए और निर्धारित समय सीमा में जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बिहारी लाल साहू, जिला सदस्य खूबचंद साहू, शहपुरा तहसील अध्यक्ष प्रमोद मौर्या, तहसील मंत्री यतेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष जगदीश साहू, डिण्डौरी तहसील अध्यक्ष खमोद चंदेल, नन्दकिशोर, मंती धूमकेती, रमेश चौहान संत कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

समनापुर मण्डल में सम्पन्न हुआ नमो मैराथन कार्यक्रम

डिंडौरी: संतोष सिंह राठोर

डिंडौरी। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार व भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू . सिंह नेताम के नेतृत्व में सेवा पखवाडा के अन्तर्गत मण्डल समनापुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमे सर्वप्रथम एक पेड माँ के नाम कार्यक्रम अन्तर्गत माँ. शारदा टेकरी मे पौधरोपड कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। तत्पश्चात् बाजार चौक में आयोजित कार्यक्रम नमो मैराथन का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने हरी झंडी दिखाकर की जिसमे विभिन्न छात्र छात्राओं ने इस मैराथन में हिस्सा लिया। यह नमो प्रतियोगिता मां. कल्याणी मंदिर से प्रारंभ होकर ओम पेट्रोलियम तक आयोजित किया गया। जिसमे प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार का वितरण भाजपा पदाधिकारियों ने कमशः किया। इसकी कम में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय समनापुर में रंगोली प्रतियोगिता में सभी पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया एवं पुरुस्कारों का वितरण किया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र सिंह राजपूत, जिला महामंत्री लक्ष्मण सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष महेश सिंह धुमकेती जयसिंह राजपूत,सुखसेन ठाकुर, तानसिंह ठाकुर, रमेश गौतम, त्रिलोक ठाकुर, गोकुल वाटिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ विद्यालय के स्टॉफ सहित छात्र छात्राएँ व विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

कलेक्टर विश्वकर्मा ने वाहन चालकों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के दिए निर्देश

रायसेन। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में एसपी पंकज कुमार पाण्डे भी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने गत बैठक में चिन्हित हॉट स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु दिए गए निर्देशों के अनुरूप अभी तक की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर विश्वकर्मा तथा एसपी पाण्डे ने जिले में वर्तमान वर्ष में अभी तक हुई सड़क दुर्घटनाओं की संख्या, इन दुर्घटनाओं में घायलों तथा मृतकों की जानकारी ली और दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत चर्चा कर रोकथाम हेतु गंभीरतापूर्वक आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिक दुर्घटना संभावित स्थल थाना देवरी अंतर्गत मोरपार जोड़, थाना उदयपुरा अंतर्गत ग्राम सिलारीकला मार्ग, करन सिंह पिपरिया स्थित छींद धाम मार्ग जोड़ सहित अन्य मार्गो पर दुर्घटनाओं को रोकने सभी जरूरी कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने दिए निर्देशः-

बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा तथा एसपी पाण्डे ने जिला परिवहन अधिकारी, यातायात प्रभारी तथा पुलिस अधिकारियों को यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि समझाईश के उपरांत भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने तथा ओवर लोडिंग करने वाले वाहन चालकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। यातायात प्रभारी अधिकारी लता मालवीय द्वारा सड़क सुरक्षा समिति के एजेण्डे के बारे जानकारी दी गई। बैठक में जिपं सीईओ अंजू पवन भदौरिया, एएसपी कमलेश कुमार, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, एनएचएआई तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

घर-घर हुई अष्ठमी पर महागौरी कुलदेवी की पूजा-अर्चना

रायसेन। जिलेभर में शारदीय नवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जा रहा है,जिले में जगह-जगह देवी के पंडालों में महा आरती और गरबे का आयोजन किया जा रहा। वही झांकियां देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। शारदीय नवरात्रि का आठवां दिन माता दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी को समर्पित होता है,नवरात्रि में अष्टमी के दिन घर-घर महागौरी कुलदेवी की पूजा-अर्चना हुई। महागौरी कुलदेवी पूजा करने से दांपत्य सुख,व्यापार,धन और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है, ऐसे में नवरात्रि के आठवे दिन मां दुर्गा के आठवें रूप मां महागौरी की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का बहुत खास महत्व होता है,नवरात्रि का त्योहार माता दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित होता है,इस दौरान मां दुर्गा की पूजा करने और व्रत रखने से व्यक्ति को फल की प्राप्ति होती है,वहीं माना जाता है कि अगर आपको नवरात्रि के दौरान कुछ खास सपने दिखें तो यह बेहद शुभ होता है।

शहर में 70 से अधिक जगह सजे है माँ के पंडालः-नवरात्रि पर्व झांकी पंडालों में महा-आरती और गरबे का आयोजन किया जा रहा है। शहर में लगी 70 से अधिक झांकियों को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। झांकीयों में महाआरती और गरबे का आयोजन किया गया। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं अपने घरों से दीपों की थाली सजाकर झांकी पंडाल में पहुंची और दीपों से मां की आरती उतारी। जिससे पूरा पंडाल मां के जयकारों से गूंज रहे है।

जनसुनवाई में कलेक्टर विश्वकर्मा ने नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, सहायक कलेक्टर कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर मनोज कुमार उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉंफ्रेंस के माध्यम से जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

प्रकरणों की जांच में तेजी लाकर राहत राशि स्वीकृति और वितरण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश

जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक आयोजित

रायसेन। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें एसपी पंकज कुमार पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, सहायक कलेक्अर कुलदीप पटेल भी उपस्थित रहे। बैठक में माह सितम्बर 2025 की अवधि के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रकरणों की जांच में तेजी लाकर स्वीकृति की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक सीपी सोनी ने बताया गया कि माह सितम्बर 2025 की अवधि में पुलिस विभाग से कुल 27 प्रकरण और इसी अवधि में अन्य जिलों से 10 प्रकरण प्राप्त हुए हैं तथा पूर्व के भुगतान हेतु लंबित प्रकरणों की संख्या 91 है। समिति द्वारा इन कुल प्रकरणों में से 76 प्रकरणों में 58 लाख रू की राशि स्वीकृत की गई। शेष प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

किसान जहरीली खेती को छोड़कर प्राकृतिक खेती करें: यशवंत मीणा

पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती पर कृषि सखियों का प्रशिक्षण कायर्क्रम सम्पन्न

रायसेन। कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्राकृतिक खेती विषय पर पांच दिवसीय कृषि सखी का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को सम्बोधित करते हुए जिपंध्याक्ष यशवंत मीणा ने कहा कि वर्तमान परिवेश में रसायनिक उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवारनाशक के अंधाधुंध प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य व पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्राकृतिक खेती आज की मांग है। देश के प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाना है। इसके लिए स्वदेशी व गाय आधारित खेती को अपनाना ही होगा, साथ ही कृषि सखियों को संदेश दिया कि जहरीली खेती को छोड़कर प्राकृतिक खेती को अपनायें एवं देशी बीज व खेत में उपस्थित संसाधनों से जहर मुक्त खेती को शुरू कर गांव के अन्य लोगों को एक मॉडल के रूप में उदाहरण प्रस्तुत करें। इस अवसर पर डॉ. के.के. नेमा, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, आर.ए.के. सीहोर, के.पी. भगत, उप संचालक, सुनील कुमार सोने, सहायक संचालक कृषि, वरिष्ठ वैज्ञानिक डा ॅस्वप्निल दुबे,वैज्ञानिक डॉ. मुकुल कुमार, डॉ प्रदीप सहित किसान मौजूद थे।

देवरानी पर उबली चाय उड़ेली बच्चा भी झुलसा गया ससुरालवालों ने छुपाई घटना

पता चलने पर मायका पक्ष ने शिकायत दर्ज कराई

रायसेन। जिले की सिलवानी के भानपुर गांव में रहने वाली एक जेठानी ने अपनी ही देवरानी के ऊपर उबलती हुई चाय उड़ेल दी। इससे देवरानी और उसका डेढ़ साल का बच्चा बुरी तरह से झुलस गया। यह घटना 21 सितंबर` की है। परिजनों ने घटना को छुपाकर रखा। इतना ही नहीं, पीड़ित सीता बाई और उसके डेढ़ साल के बेटे आर्यन केवट को इलाज के लिए अस्पताल भी नहीं ले गए। घटना के बाद 6 दिनों तक उन्हें घर में ही रखा। जब सीता के मायके पक्ष के लोगों को घटना का पता चला, तो वे 27 सितंबर को भानपुर गांव पहुंचे। वहां से पीड़ित सीता बाई को साथ लेकर सिलवानी थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद सीता और बेटे आर्यन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

यह है पूरा मामला:-दर्ज रिपोर्ट में बताया‌ए 21 सितंबर 2025 को सुबह 8 बजे की बात है। जेठानी रितु केवट चाय बना रही थी। सीता बाई ने बेटे नीतेश ने लिए जेठानी रितु से चाय मांगी। जेठानी रितु ने चाय नहीं दी। इससे वह रोता हुआ मेरे पास आया। उसके बाद पीड़ित सीता बाई ने खुद जाकर अपने बेटे नीतेश के लिए चाय बनाने लगी। यह देखकर जेठानी रितु आई और बोली तू इतनी चाय बनाने वाली होती तो पहले ही बना देती। यह कहते हुए उसने सीता बाई के साथ झूमाझटकी करना शुरू कर दिया। इसके बाद उसने चाय का हत्था उठाकर गर्म चाय सीता के ऊपर डाल दी। गोद में होने से 1.5 साल के छोटे बेटे आर्यन की पीठ जल गई। इस घटना को लेकर जब सीता चिल्लाई, तो जेठानी रितु बोली आज तो चाय डाली है, आगे से मेरे बीच में आई तो जान से खत्म कर देंगे।

शिक्षिका को 'I Love You' भेजने वाले प्राचार्य निलंबित, 8 शिक्षकों ने की शिकायत

नर्मदापुरम। पीएमश्री हाईस्कूल हथवास में पदस्थ प्राचार्य सुरेश श्रीवास्तव को शिक्षिकाओं को अनुचित व्हाट्सएप मैसेज भेजने और मानसिक प्रताड़ना के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। कमिश्नर केजी तिवारी ने यह कार्रवाई तत्काल प्रभाव से की है। एक शिक्षिका की शिकायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी। जांच के दौरान 8 से अधिक शिक्षक और शिक्षिकाओं ने रात्रि के समय अनुचित संदेश भेजने और मानसिक उत्पीड़न की पुष्टि की। जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच रिपोर्ट के आधार पर जेडी कार्यालय को निलंबन का प्रस्ताव भेजा था, जिसे बाद में आयुक्त कार्यालय को अग्रेषित किया गया। जांच में दोषी पाए जाने के बाद प्राचार्य श्रीवास्तव को निलंबित कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संलग्न किया गया है।

मातृ शक्तियों ने शस्त्र पूजन कर हाथों में थामी तलवार , अपने शौर्य से की शक्ति आराधना

बेटियों ने लाठीयों से किया प्रदर्शन, नर्मदापुर युवा मंडल ने किया शक्ति शौर्य महारास का आयोजन

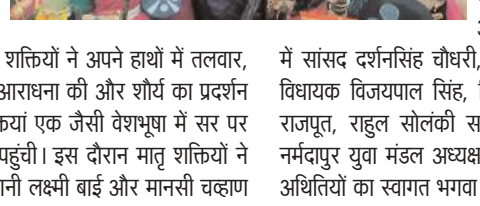

नर्मदापुरम। नर्मदापुर युवा मंडल ने सोमवार रात हरदा बायपास स्थित रैन ट्री रिसोर्ट में महिला सशक्तिकरण के लिए शक्ति शौर्य महारास का आयोजन किया। कार्यक्रम संयोजक मनीष परदेशी ने बताया कि शक्ति शौर्य महारास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महिला सशक्तिकरण अभियान की प्रेरणा से यह आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में मातृ शक्तियों ने अपने हाथों में तलवार, ढाल और खप्पर थामकर मां शक्ति की आराधना की और शौर्य का प्रदर्शन किया। करीब 100 से अधिक मातृ शक्तियां एक जैसी वेशभूषा में सर पर पगड़ी बांध व हाथों में तलवार थामकर पहुंची। इस दौरान मातृ शक्तियों ने शस्त्र पूजन किया। आकृति खंडेलवाल रानी लक्ष्मी बाई और मानसी चव्हाण भारत माता की वेशभूषा में पहुंची। पिछले 15 दिनों से विशाल सर द्वारा शौर्य का क?ा प्रशिक्षण दिया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन के साथ हुई। वहीं बजरंग व्यायाम शाला ग्वालटोली की बेटियों ने तलवार और लाठी से प्रदर्शन किया। व्यायाम शाला की 20 से अधिक बेटियों ने अपने तलवार और लाठीयों से आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया। शक्ति शौर्य महारास में सांसद दर्शनसिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष भरतसिंह राजपूत, राहुल सोलंकी सहित अन्य अथिति शामिल हुए। कार्यक्रम में नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष व पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने सभी अथितियों का स्वागत भगवा गमछा डालकर व तिलक लगाकर किया।

जिले का गौरव माया नारोलिया को केंद्रीय हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य मनोनीत किया

नर्मदापुरम। जिले के लिए गर्व की बात है कि राज्यसभा सांसद माया नारोलिया को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और सरकारी कार्यों में उसकी प्रभावी भूमिका को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। सांसद माया नारोलिया ने इस जिम्मेदारी को पाकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, मैं समिति में अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करुंगी और राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन, प्रचार-प्रसार तथा शासकीय कार्यों में हिंदी के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दूंगी।卐 सांसद नारोलिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन पर विश्वास जताने के लिए वे दोनों नेताओं की हृदय से आभारी हैं। उनकी इस नियुक्ति पर समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयाँ दीं।

प्रदेश सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण एवं पुलिसकर्मी सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन

नर्मदापुरम। प्रदेश सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिलेभर में विभिन्न जनजागरूकता एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस लाइन नर्मदापुरम में वृक्षारोपण एवं सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा थोटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों एवं स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समारोह के दौरान पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे सउनि शिव कुमार शुक्ला, सउनि जसवंत सिंह सेन एवं सउनि चंद्रशेखर पाराशर को सम्मानित कर भावपूर्ण विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम द्वारा उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा ने कहा कि 'वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, उनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सभी जिलेवासी अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर इस अभियान को सफल बनाने में भागीदार बनें।'

राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जाता है। इसी संदर्भ में दिनांक 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पोषण माह के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को परियोजना केसला के तवा नगर में राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया पर्यवेक्षक चेतना ढिवरे द्वारा बताया गया कि डॉ नितिन कोहली द्वारा शिविर में उपस्थित गर्भवती धात्री एवं महिलाओं किशोरी बालिकाओं कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। जिसमें बीपी शुगर एचपी की जांच की जाकर आवश्यक दवाइयां का वितरण किया गया कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती सोनू उईके के द्वारा व्यंजन पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया पर्यवेक्षक द्वारा बताया गया है कि पोषण प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कम नमक शक्कर तेल का उपयोग करना है एवं मोटापा रोकना है जो आगे चलकर एक महामारी का रूप लेने वाला है कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को मोटे अनाज का उपयोग करने की सलाह दी गई। जिसमें ज्वार बाजरा मक्का रागी और कुटकी का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करें। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें उपस्थित को संतुलित आहार लेने की सलाह दी है कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से एएनएम विभा गोर, मुस्कान रावत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नफीस, रितु मंजू, राजेंद्र, रेखा, दीपा, सोनम, अजर, शकुन एवं साहयिका आशा कार्यकर्ता उपस्थित थी।

घर लौटते ही शेर की तरह दहाड़े तिलक

देश के लिए जान भी दे दूंगा...

राष्ट्रीय हिन्दी मेल नई दिल्ली।

एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के हीरो रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों की छींटाकशी और आक्रामकता का सर्वश्रेष्ठ जवाब खिताब जीतना ही था और उन्होंने शुरुआत में बने दबाव से सहज पार पा लिया था। तिलक के नाबाद 69 रन की मदद से भारत ने दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल में 5 विकेट से जीत दर्ज की।

तिलक ने दुबई से कल रात यहां पहुंचने के बाद कहा, 'शुरुआत में कुछ दबाव और तनाव था लेकिन मैने सबसे ऊपर अपने देश को रखा और मैं देश के लिये जीतना चाहता था। मुझे पता था कि दबाव के आगे घुटने टेक दूंगा तो अपने आप को और देश के 140 करोड़ लोगों को निराश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने बेसिक्स पर भरोसा रखा जो मैंने शुरुआती दिनों में अपने कोचों से सीखे थे और उसका अनुसरण किया। उन्हें सबसे सही जवाब यही था कि हम एशिया कप जीत जाएं और हमने वही किया।'

बल्ले से देना था जवाब

तिलक ने स्वीकार किया कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैच में जमकर

छींटाकशी की लेकिन उन्होंने खामोश रहना पसंद किया। उन्होंने कहा, 'आपरेशन सिंदूर के बाद वे हमारे खिलाफ काफी आक्रामक हो गए थे। हमने उन्हें खेल को जिस तरीके से खेला जाना चाहिए, वैसे ही खेलकर जवाब दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने तीन विकेट जल्दी गंवा दिए थे और माहौल काफी गर्म हो गया था। मैं जल्दी बल्लेबाजी करने आ गया लेकिन मैंने किसी को कुछ नहीं कहा और ना ही कोई खराब शॉट खेलकर टीम और देश को निराश किया।' उन्होंने कहा कि एक बार भारत जीत गया तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैच के दौरान मेरा फोकस बेसिक्स पर था और मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता था।

मुझे जो कुछ कहना था, वह मैंने मैच के बाद कहा। मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता। भारत और पाकिस्तान के मैचों में यह होता है लेकिन हमारा फोकस मैच जीतने पर था।' भारत को आखिरी ओवर में दस रन चाहिये थे और तिलक ने कहा कि वह तब तक दबाव से ऊपर उठ चुके थे। उन्होंने कहा, 'मुझ पर आखिरी ओवर में दबाव नहीं था। मुझे पता था कि मैं मैच जिता दूंगा। मैं अपने देश के बारे में ही सोच रहा था और गेंद दर गेंद रणनीति बना रहा था। मुझे गर्व है कि मैं यह कर सका। वक्त आने पर मैं देश के लिए जान भी दे सकता हूं।' तिलक ने इस पारी को अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक बताया। उन्होंने कहा, 'मैं इसे सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक कहूंगा। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में मैने नाबाद 72 रन बनाए थे जो बेहतरीन पारी थी।

एशिया कप खेलना और पाकिस्तान के खिलाफ दबाव के हालात में फाइनल खेलना बहुत अच्छा अहसास था। मैं इस पारी को अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी कहूंगा।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में रोशन करेंगे इंदौर का नाम

कलेक्टर की पहल पर दिव्यांग खिलाड़ियों को मिली विशेष मदद

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर।

दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर रेडक्रॉस निधि से विशेष तरह की व्हील चेयर की मदद की गई है। कलेक्टर वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय में इंदौर के राष्ट्रीय स्तर के 5 दिव्यांग खिलाड़ियों को विशेष तरह की व्हील चेयर वितरित की। उन्होंने खिलाड़ियों से चर्चा की, उनका स्वागत किया और आने वाली प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वे बेहतर प्रदर्शन करें तथा इंदौर का नाम राष्ट्रीय और विश्व मानचित्र पर अंकित करें।

यह व्हील चेयर दिव्यांग टेबल टेनिस खिलाड़ी अनिल जैन, अजय यादव, पिंकी दुबे, समिना ठाकुर तथा रीना बेगम को दी गई। खिलाड़ी यह व्हील चेयर पाकर बेहद खुश हुए। उन्होंने कहा कि विशेष तरह की इस व्हील चेयर से हमें खेलने में बेहद मदद मिलेगी।

उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रतियोगिताओं में अब वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे तथा पदक जीतेंगे। उन्होंने बताया कि वे दिव्यांगों के लिए 7 से 12 अक्टूबर तक गोवा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जा रहे हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, सहायता संस्था के डॉ. अनिल भंडारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नई दिल्ली। पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 2025 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने सभी पात्र खिलाड़ियों, कोचों और खेल संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया है। यह पुरस्कार भारत में खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को मंत्रालय द्वारा उपलब्ध डेडिकेटेड पोर्टल पर जाकर फॉर्म भरना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्तूबर 2025, रात 11:59 बजे है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 में चार प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है।

व्यापार

कीमती धातुओं की तेजी अनिश्चितता बढ़ी

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर।

विदेशी बाजार के असर से भारतीय सराफा बाजार में भी चांदी में जोरदार उछाल देखा गया। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और नरम पड़ रहे डालर के चलते विदेशी निवेशकों का रुझान सोने में बना हुआ है।

चीन और अन्य कुछ देशों की केंद्रीय बैंक भी सोना खरीद रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दवाओं पर टैरिफ लगाने से भी अंतरराष्ट्रीय अर्थजगत में अनिश्चितता बढ़ रही है जो सोने की तेजी को बढ़ावा दे रही है। चांदी में तेजी वाले भाव पर डिलीवरी नहीं मिल रही है।

नकद में चांदी खरीद पर अब व्यापारी दशहरे के बाद का समय दे रहे हैं। जानकार बता रहे हैं कि आयातकों को भी उम्मीद नहीं थी कि चांदी ऐसी तेजी पकड़ेगी और देशी निवेशक सोने की बजाय चांदी में पैसा लगाने में अधिक रुचि लेंगे। इसके चलते अब आयातकों के पास मांग के अनुरुप माल ही उपबलब्ध नहीं है। इसी तरह सोने में भी तेजी का सिलसिला जारी रहा। अंतरराष्ट्रीय बुलियन मार्केट में सोमवार को सोना 3770 डालर प्रति औंस के भाव पर पहुंच गया। कामेक्स पर सोना 3814 डॉलर प्रति औंस व चांदी 4671 सेंट की ऊंचाई पर है।

इंदौर सराफा-सोना केडबरी रवा नकद 119000, आरटीजीएस 118500 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 107000 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 146800, आरटीजीएस 146400 और टंच 146900 रुपए प्रति किलो। चांदी का सिक्का 1680 रुपए प्रति नग।

उज्जैन सराफा-सोना केडबरी 119100 और रवा 119000 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 148000, टंच 147800 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1600 रु. नग।

मिलों ने चना एवं तुवरदाल के दाम बढ़ाए

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर।

इंदौर। दालों में त्यौहारी ग्राहकी पूछपरख बढने लगी है। खासकर तुवर और चनादाल में ज्यादा मांग है। बढ़ती लोकल व बाहरी मांग को देखते हुए मिलों ने तुवरदाल और चना दाल के दामों में 100-200 रुपए क्विंटल की बढ़ौतरी की है, जबकि चने के भावों में मंदी का रुख बना हुआ है। देसी और आयातीत चने की भरपूर उपलब्धि केकारण चने की तेजी को समर्थन नहीं मिल रहा है। यहीं हाल तुवर का भी है। अन्य दलहनों में भी सीमित व्यापार की वजह से खास तेजी-मंदी नहीं है। ज्यादातर दलहनों के भाव कई दिनों से स्थिर पड़े हैं।

दलहन-चना कांटा 5900 डंकी चना 5200-5500 विशाल 5650, काबुली चना 9000-9300, काबुली चना रशियन 5700-5800, बिटकी 5200-5400, मसूर 6100, तुवर महाराष्ट्र सफेद 6500, महाराष्ट्र लाल 6600-6700, कर्नाटक 6700-6800 तुवर निमाड़ी 6000-6500 मूंग बेस्ट नया 7900-8100, एवरेज 6500-6700, मोगर 6000-6500, उड़द नया गर्मी 6800-7500, उड़द बोल्ड 7400-7700, एवरेज 6200-6700, हल्का 3000-5000 रुपये क्विंटल।

दालें-चना दाल 7200-7300 मीडियम 7400-7500 बेस्ट 7700-7900 मसूर दाल 7700-7800 बेस्ट 7900-8000 मूंग दाल 9200-9300 बेस्ट 9600-9800 मोगर 9100-9200 बेस्ट 9500-9700 तुवर दाल 6700-6900 मीडियम 7900-8100 बेस्ट 8500-8600 ए. बेस्ट 9400-9600, ब्रांडेड तुवर दाल नई 10100 उड़द दाल 8700-8800 बेस्ट 8900-9100 उड़द मोगर 9800-10000 बेस्ट 10100-10200 रुपये प्रति क्विंटल।

सोया रिफाइंड तेल की मांग बढ़ी

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर।

खाद्य तेल-मूंगफली तेल इंदौर 1310-1330, मुंबई 1340, इंदौर सोया रिफाइंड 1250-1255 सोया साल्वेंट 1180-1185 इंदौर पाम 1330, मुंबई सोया रिफाइंड 1270, मुंबई पाम 1265 राजकोट तेलिया 2100, गुजरात लूज 1275-1290, कपास्या तेल इंदौर 1230 रुपए प्रति दस किलो।

तिलहन- सरसो निमाड़ी(बारीक) 7000, रायडा 6600, सोयाबीन 4350 टोली 4400-4600 रु. प्रति क्विंटल।

कपास्या खली- (60 किलो भरती) इंदौर 2550, देवास 2550, उज्जैन 2550, खंडवा 2525, बुरहानपुर 2525, अकोला 3800 रुपए।

समृद्धि और किसानों की खुशहाली का आधार बनी मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की समृद्धि के लिए हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए प्रदेश के राजगढ़ जिले की मोहनपुरा - कुंडालिया सिंचाई परियोजना क्षेत्र की समृद्धि और किसानों की खुशहाली का आधार बन रही है। इस अनूठी परियोजना से जहां हर खेत में पानी पहुंच रहा है, वहीं उद्योगों को पानी मिलने और पेयजल की उपलब्धता ने नए निवेश के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। इससे आम-जीवन सुखमय हो रहा है। प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क पर आधारित विश्व की अनूठी परियोजना यह परियोजना प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क प्रणाली पर आधारित विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है, जो मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पर ड्रॉप, मोर क्रॉप की अवधारणा को पूरा कर रही है। न केवल भारत के विभिन्न राज्यों से अपितु विदेशों के प्रतिनिधि दल भी आकर इसका अध्ययन कर रहे हैं। परियोजना को जल-संसाधन प्रबंधन के लिए भारत सरकार का प्रतिष्ठित सीबीआईपी पुरस्कार भी मिल चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर ड्रॉप, मोर क्रॉप की अवधारणा दी, उनकी इस अवधारणा पर कार्य करते हुए हमारे इंजीनियर्स ने सिंचाई की अति आधुनिक तकनीकी प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क पर काम करना प्रारंभ किया और उसका सुपरिणाम है मोहनपुरा कुंडलिया सिंचाई परियोजना। इस सिंचाई परियोजना के माध्यम से न केवल 80 प्रतिशत पानी बांध से किसानों के खेतों तक पहुंचता है, अपितु ऊंचे खेतों पर भी पानी आसानी से पहुंच जाता है. इसमें लगा स्काडा आधारित ऑटोमेशन यह तय करता है कि फसलों की आवश्यकता के अनुसार किस क्षेत्र में कितना पानी पहुंचाना है। यह विश्व की अपनी तरह की अनूठी परियोजना है और आधुनिक युग की आवश्यकता भी, जब पानी की एक-एक बूंद का उपयोग आवश्यक है। नेवज नदी पर मोहनपुरा बांध और कालीसिंध नदी पर कुंडालिया बांध बनाकर शुरू की गई इस परियोजना से भूमिगत पाइप से सीधे खेत तक दबाव के साथ पहुंचाती है और ऊंचाई वाले खेत में भी पानी आसानी से पहुंचता है। इसके सेंसर और ऑटोमेशन से पानी का वितरण नियंत्रित होता है। यह क्रांतिकारी सोच थी, जिसने सूखाग्रस्त राजगढ़ जिले की किस्मत बदल दी। परियोजना के अंतर्गत 26 हजार किमी लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाई गई है, इतनी लंबी प्रेशराइज्ड पाइप लाइन भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में एक मिसाल है। इसे जोड़ने के लिए 20 बड़े पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जो पानी को दबाव के साथ पाइप लाइन में भेजते हैं और पानी ऊंचे-नीचे खेतों तक आसानी से पहुंचता है। हर आउटलैट से लगभग एक से सवा हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। स्काडा आधारित ऑटोमेशन सिस्टम द्वारा पूरी प्रणाली को कंप्यूटर और सेंसर्स से जोड़ा गया है, जिससे कंट्रोल रूम से तय किया जा सकता है कि किस क्षेत्र को कितना पानी पहुंचाना है। केन्द्रीकृत पंपिंग प्रणाली से हर साल लगभग 69 मिलियन यूनिट बिजली की बचत होती है।

हिंदी पखवाड़ा और व्याख्यान माला का आयोजन

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला वर्चुअली जुड़े, हेमंत मुक्तिबोध रहे मुख्य वक्ता

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), भोपाल और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़ा एवं पुरस्कार वितरण सह व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला वर्चुअल माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े और अपने प्रेरणादायी संबोधन से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध ने 'भाषा की महत्ता' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की नींव है। विशिष्ट अतिथि भरत व्यास ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में न्यास के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता की विशेष उपस्थिति भी रही। एआईआईएमएस भोपाल के कार्यकारी निदेशक माधवानंद कर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि संयोजन की जिम्मेदारी उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन (रापुसे) ने निभाई। वक्ताओं ने हिंदी के महत्व, प्रशासनिक कार्यों में इसके सार्थक प्रयोग और सामाजिक जीवन में इसकी भूमिका पर बल दिया। अंत में आयोजन समिति और उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आरडीएसएस अंतर्गत सब स्टेशन मठमठ में ऊर्जीकृत

भोपाल। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत इंदौर संभाग का 43वां 33/11 केवी बिजली सब स्टेशन झाबुआ की पेटलावद तहसील के मठमठ में मंगलवार की शाम पूर्ण प्रोटोकाल के साथ ऊर्जीकृत किया गया। करीब 2.85 करोड़ की लागत एक इस सब स्टेशन से चार पंचायत क्षेत्रों ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र के हजारों उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि शासन द्वारा मनाए जा रहे सेवा पर्व के दौरान ऊर्जीकृत हुए इस महत्वपूर्ण मठमठ सब स्टेशन से वनवासी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। इस ग्रिड को मिलाकर झाबुआ बिजली सर्कल में पांच सब स्टेशन सेमलिया, रजला, रंभापुर, बड़ागुड़ा तैयार हुए है।

किसानों के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, चंबल एवं ग्वालियर संभाग के 16 जिलों के अंतर्गत कृषि उपभोक्ताओं को रबी सीजन में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए अस्थाई कृषि पम्प कनेक्शन प्रदान करने की माकूल व्यवस्था की है। जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने मंगलवार को बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के कृषि उपभोक्ताओं को राज्य शासन द्वारा दी जा रही सब्सिडी घटाने के बाद थ्री फेज तीन हॉर्स पावर के अस्थाई पम्प कनेक्शन के लिए तीन माह के लिये कुल राशि रू. 5 हजार 917, चार माह के लिये रू. 7 हजार 775 एवं पांच माह के लिये 9 हजार 634 रूपये देय होंगे तथा पांच हार्स पावर अस्थाई पम्प कनेक्शन के लिए तीन माह के लिये रू. 9 हजार 634, चार माह के लिये रू. 12 हजार 732 एवं पांच माह के लिये 15 हजार 831 रूपये तथा साढे सात से आठ हॉर्स पॉवर अस्थाई पम्प कनेक्शन के लिए तीन माह के लिये रू. 15 हजार 211, चार माह के लिये रू. 20 हजार 168 एवं पांच माह के लिये 25 हजार 125 रूपये देय होंगे।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की तैयारी पूरी

घाटों पर क्रेन एवं गोताखोर रहेंगे तैनात

भोपाल। नवरात्रि के समापन के साथ ही शहर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की तैयारियां जोरों पर हैं। नगर निगम ने शहर के सभी प्रमुख विसर्जन स्थलों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए व्यापक योजना तैयार की है। सुरक्षा और सुव्यवस्था के लिए हर घाट पर क्रेन, प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षित गोताखोर और बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था रहेगी। नगर प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को अधिकारियों की निगरानी में कराने का फैसला किया है। इसके लिए अपर आयुक्त स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो मैदान स्तर पर व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण करेंगे। भोपाल में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कई प्रमुख घाट हैं, जिनमें प्रेमपुरा घाट, रानी कमलापति घाट, बैरागढ़ घाट, हथाईखेड़ा बांध घाट, खटलापुरा घाट, ईटखेड़ी घाट और मालीखेड़ी घाट शामिल हैं। निगम अधिकारियों का कहान है कि विसर्जन स्थलों पर पर्यावरण सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा। प्लास्टर ऑफ पेरिस और रंगयुक्त प्रतिमाओं के विसर्जन से पहले साफ पानी की जांच व नियंत्रण व्यवस्था भी की जाएगी। नगर निगम कार्यालय में हुई बैठक में निगम आयुक्त ने दुर्गा विसर्जन को लेकर सभी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विसर्जन स्थलों तक जाने वाले सभी रास्तों की मरम्मत और साफ-सफाई समय रहते पूरी हो। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्ट्रीट लाइट, पीने का पानी और बैरिकेड्स लगवाए जाएं। विसर्जन प्रक्रिया पूरी होने तक सभी व्यवस्थाएं सक्रिय रहें। मौके पर मौजूद सभी अधिकारी समन्वय और निगरानी बनाए रखें। छोटी प्रतिमाएं कुंड में विसर्जित की जाएगी। वहीं, बड़ी प्रतिमाओं के लिए प्रत्येक घाट पर जेसीबी और क्रेन रहेगी। घाट के आसपास बेरिकेडिंग की गई है। ताकि लोग पानी में न उतर सके। रोकने के लिए पुलिस भी तैनात रहेगी। प्रत्येक घाट पर गोताखोर पूरे समय मौजूद रहेंगे। लाइफ जैकेट भी रखी जाएगी। कंट्रोल से शहरभर में नजर रखी जाएगी। ताकि, यदि कोई चल समारोह के रूप में प्रतिमा लेकर जा रहे तो रोका जा सके।

बिना लाइसेंस क्लीनिक सील

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की निरीक्षण टीम ने मंगलवार को जहांगीराबाद क्षेत्र में संचालित एक बिना लाइसेंस क्लीनिक पर कार्रवाई की। अलशिफा क्लीनिक नामक यह स्वास्थ्य केंद्र बिना किसी वैध पंजीयन और लाइसेंस के संचालन करते पाया गया। क्लीनिक की जांच के दौरान वहां डॉ. आर. डब्ल्यू. बक्शी एमडी मेडिसिन के नाम का बोर्ड लगा हुआ मिला, लेकिन निरीक्षण के समय डॉक्टर स्वयं अनुपस्थित थे।